हरिभूमि
रेवाड़ी भूमि
रोहतक, सोमवार 18 मई 2026

तापमान
अधिकतम 42 .5 डिग्री
न्यूनतम 24 .6 डिग्री

11 योग मन, बुद्धि एवं आत्मा को संतुलित करने वाली संपूर्ण जीवन पद्धतिः आर्य

12 झुलसाने वाली गर्मी का सितम बरकरार, 22 किमी की रफ्तार से चली हीटवेव

सीबीएसई 12वीं के परीक्षा परिणामों में आरपीएस के होनहारों ने फिर छुआ सफलता का शिखर

-10वीं में आरपीएस के 64 विद्यार्थियों ने 99 से अधिक अंक प्राप्त कर सर्वश्रेष्ठता की पताका लहराई

-जेईई मेन में 54 विद्यार्थियों ने 99 परसेंटाइल से अधिक अंक प्राप्त कर बिखेरी प्रतिभा की चमक

-आरपीएस की स्वाति 99.6, ईप्सा डागा 99.2, अक्षिता धीमान 99, वनीषा जैन 98.8 प्रतिशत अंकों के साथ 12वीं के परिणाम में इंडिया के टॉप रैंकर्स में शामिल -जेईई एडवांस्ड के लिए आरपीएस के 633 में से 456 विद्यार्थियों ने 72 प्रतिशत की सक्सेस रेट से क्वालीफाई किया

महेंद्रगढ़ शिक्षा के क्षेत्र में अपनी सर्वोच्चता और गुणवत्तापूर्ण अध्यापन के लिए विख्यात आरपीएस ग्रुप ऑफ स्कूल्स ने एक बार फिर नया इतिहास रच दिया है। शैक्षणिक सत्र 2025-26 के परीक्षा परिणामों में संस्थान के विद्यार्थियों ने सीबीएसई 12वीं, 10वीं और जेईई मेन जैसी चुनौतीपूर्ण परीक्षाओं में प्रदेश व राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। इस वर्ष सीबीएसई के 12वीं के परीक्षा परिणाम में साइंस (मेडिकल व नॉन मेडिकल), कॉमर्स एवं ह्यूमैनिटीज संकाय में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए अंकों का शिकार शिखर छुकर आरपीएस का नाम देश में रोशन किया।आरपीएस के सीईओ इंजी. मनिष राव ने बताया कि छात्रा स्वाति सिंह ने 12वीं में 99.6 प्रतिशत के साथ प्रथम स्थान, छात्रा इप्सा डागा ने 99.2 प्रतिशत अंकों लेकर द्वितीय जबकि वनीषा जैन ने 98.8 प्रतिशत का बेहतरीन स्कोर प्राप्त किया। वहीं छात्रा अक्षिता धीमान ने 99 प्रतिशत अंक हासिल कर अपनी श्रेष्ठता सिद्ध की। संस्थान के 22 प्रतिभावान विद्यार्थियों ने 98 प्रतिशत से अधिक और रिकॉर्ड 153 छात्रों ने 95 प्रतिशत से अधिक अंक हासिल कर अपनी शैक्षणिक उत्कृष्टता को साबित किया है। इसके अलावा, स्कूल के कुल 458 विद्यार्थियों ने विभिन्न विषयों में 100 में से 100 अंक हासिल कर परफेक्ट स्कोर का शिखर छुआ, जो स्कूल के शानदार मार्गदर्शन और बच्चों की कड़ी मेहनत को दर्शाता है।

- आरपीएस सीबीएसई 10वीं के परीक्षा परिणामों में भी बना सिरमोर

10 वीं कक्षा में भी प्रथम तीन स्थानों पर आरपीएस के विद्यार्थियों का पूरी तरह कब्जा रहा। समूह में प्रथम स्थान पर दिव्या यादव, अदित्री, अवनी यादव, रिद्धिमा यादव और आदित्य वशिष्ठ ने 99.6 प्रतिशत अंकों के साथ संयुक्त रूप से शीर्ष स्थान पाया। समूह में द्वितीय स्थान पर ओनवी, संस्कार सिंगला, हेमांश गोला और देवीक मुदगिल ने 99.4 प्रतिशत अंक प्राप्त किए, जबकि तृतीय स्थान पर समर तोमर, दिव्यांश, अविनव, आरोही वैश, वृष्टि, नैतिक गौचर, तनव जैन, अमूल्य बागौतिया और तिक्षा राज यादव ने 99.2 प्रतिशत अंकों के साथ अपनी चमक बिखेरी। विद्यालय की अन्य उपलब्धियों में 64 विद्यार्थियों का 99 प्रतिशत से अधिक व 757 विद्यार्थियों ने 95 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त कर पूरे भारत में अपनी प्रतिभा का जलवा बिखेरा वहीं आरपीएस के 493 विद्यार्थियों का विभिन्न विषयों में 100 में से 100 अंक प्राप्त करना एक बड़ी उपलब्धि है।

-आरपीएस का जेईई एडवांस के लिए क्वालीफाई का सक्सेस रेट 72 प्रतिशत

जेईई मेन में आरपीएस ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जेईई एडवांस के लिए 72 प्रतिशत सक्सेस रेट से क्वालिफाई करवाकर अपना दबदबा बरकरार रखा। आरपीएस समूह के 633 विद्यार्थियों में से 456 विद्यार्थियों ने 72 प्रतिशत की सक्सेस रेट से क्वालीफाई किया। जेईई मेन 2026 में मयंक कुमार 99.957 व भव्य सतिजा ने 99.95 परसेंटाइल हासिल कर संस्थान का मान बढ़ाया। इनके साथ सुमित यादव 99.92, आर्यन श्योराण 99.89 और विनीत कुमार 99.88 परसेंटाइल के साथ टॉप पांच में जगह बनाई।

आरपीएस समूह की चेयरपर्सन डॉ. पवित्रा राव ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि हमारे बच्चों ने अपनी कड़ी मेहनत और अनुशासन से आज यह सिद्ध कर दिया है कि संकल्प यदि दृढ़ हो तो कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं है। विशेषकर 12वीं कक्षा में बेटियों का यह ऐतिहासिक प्रदर्शन नारी सशक्तिकरण की एक जीती-जागती मिसाल है। आरपीएस परिवार प्रत्येक विद्यार्थी के उज्ज्वल भविष्य और उनके सपनों को नई उड़ान देने के लिए हमेशा प्रतिबद्ध रहेगा ग्रुप के सीईओ इंजीनियर मनीष राव ने विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि आरपीएस ग्रुप केवल एक शिक्षण संस्थान नहीं, बल्कि भविष्य के सफल नेतृत्वकर्ताओं को तैयार करने की एक प्रयोगशाला है। हमारे विद्यार्थियों ने न केवल किताबी ज्ञान, बल्कि प्रतियोगी परीक्षाओं में भी अपनी तार्किक क्षमता का उत्कृष्ट परिचय दिया है। 12वीं, 10 वीं और जेईई के यह परिणाम हमारी आधुनिक शिक्षण पद्धतियों और शिक्षकों के अथक प्रयासों का ही मधुर फल हैं ग्रुप के डिप्टी सीईओ कुनाल राव ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि यह गौरवपूर्ण उपलब्धि विद्यार्थियों, शिक्षकों और अभिभावकों के आपसी सहयोग और अटूट विश्वास का परिणाम है। 12वीं कक्षा के परिणामों ने जिस प्रकार से शैक्षणिक मानकों को नया शिखर दिया है, वह आने वाली पीढ़ी के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगा। आरपीएस समूह निरंतर नवाचार और तकनीक के साथ शिक्षा के स्तर को और अधिक ऊंचाइयों पर ले जाने का प्रयास करता रहेगा। (ADVT.)

अधिकांश पाठ्यक्रमों में 60 सीटें निर्धारित, जबकि बीए डिफेंस स्टडीज और बीजेएमसी में 30-30 सीटें उपलब्ध होंगी

आईजीयू में स्नातक व एकीकृत पाठ्यक्रमों के लिए एडमिशन शेड्यूल जारी, विद्यार्थी 20 से कर सकेंगे ऑनलाइन आवेदन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय मीरपुर की ओर से शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए विश्वविद्यालय शिक्षण विभागों में संचालित विभिन्न स्नातक एवं एकीकृत पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए अधिसूचना जारी कर दी गई है। ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया 20 मई से प्रारंभ होगी और अभ्यर्थी 10 जून रात्रि 11:59 बजे तक विश्वविद्यालय की वेबसाइट आईजीयू.एसी.इन पर आवेदन कर सकेंगे। विश्वविद्यालय प्रशासन के अनुसार इस वर्ष विद्यार्थियों के लिए रोजगारोन्मुखी एवं आधुनिक पाठ्यक्रमों पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। प्रवेश के लिए एमकॉम 5 वर्षीय इंटीग्रेटेड, एमबीए 5 वर्षीय इंटीग्रेटेड, बीएचएमसीटी (होटल एवं पर्यटन प्रबंधन), बीएससी (ऑनर्स/रिसर्च) गणित, बीएससी (ऑनर्स/रिसर्च) रसायन विज्ञान, बीए डिफेंस स्टडीज, बैचलर ऑफ जर्नलिज्म एंड मास कम्युनिकेशन बीजेएमसी, बीटेक सीएसई आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एवं मशीन लर्निंग, बैचलर ऑफ फिजिकल साइंसेज तथा बैचलर ऑफ लाइफ साइंसेज जैसे पाठ्यक्रम उपलब्ध रहेंगे। अधिकांश पाठ्यक्रमों में 60 सीटें निर्धारित की गई है, जबकि बीए डिफेंस स्टडीज और बीजेएमसी में 30-30 सीटें उपलब्ध होंगी। विवि प्रबंधन के अनुसार सामान्य वर्ग के अभ्यर्थियों के लिए पंजीकरण एवं काउंसलिंग शुल्क 1500 रुपये निर्धारित किया गया है, वहीं हरियाणा के एससी, बीसी (नॉन-क्रीमी लेयर) एवं दिव्यांग वर्ग के अभ्यर्थियों के लिए यह शुल्क 750 रुपये निर्धारित किया गया है।

अलग खबर

रेवाड़ी। मीरपुर स्थित इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय। फोटो : हरिभूमि

एडमिशन के लिए तय की गई शर्तें

प्रवेश के लिए पात्रता संबंधी मानदंड भी निर्धारित किए गए हैं। अधिकांश पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए अभ्यर्थियों का 12वीं कक्षा में न्यूनतम 50 प्रतिशत अंक (हरियाणा के एससी/एसटी/दिव्यांग अभ्यर्थियों के लिए 47.5 प्रतिशत) के साथ उत्तीर्ण होना आवश्यक है। बीटेक सीएसई (एआई एवं एमएल) कार्यक्रम के लिए अभ्यर्थियों के पास फिजिक्स एवं मैथ्स अनिवार्य विषय होने चाहिए तथा जेईई मेन्स स्कोर भी आवश्यक रहेगा। प्रवेश पूरी तरह शैक्षणिक मेरिट के आधार पर किए जाएंगे। विवि ने राज्य सरकार की आरक्षण नीति के अनुसार विभिन्न श्रेणियों के लिए सीटों का विस्तृत वर्गीकरण भी जारी किया है। विभिन्न विषयों में उपलब्ध सीटों के विवरण, पात्रता एवं फीस के संबंध में विस्तृत विवरण विवि की वेबसाइट आईजीयू.एसी.इन पर उपलब्ध है।

समय रहते आवेदन प्रक्रिया पूर्ण करें विद्यार्थी

अधिसूचना के अनुसार काउंसलिंग कार्यक्रम बाद में विवि की वेबसाइट के एडमिशन पोर्टल पर जारी किया जाएगा। विद्यार्थी और अभिभावक आवेदन करने से पूर्व पात्रता, शुल्क संरचना एवं दिशा-निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ लें तथा समय रहते आवेदन प्रक्रिया पूर्ण करें।

-असीम मिगलानी, वीसी आईजीयू।

18 जून तक रहेगा ऑनलाइन पंजीकरण

विश्वविद्यालय में बीटेक सीएसई (एआई एवं एमएल) कार्यक्रम में प्रवेश हरियाणा स्टेट टेक्निकल एजुकेशन सोसायटी (एचएसटीईएस) के माध्यम से किए जाएंगे। बीटेक कार्यक्रम के लिए ऑनलाइन पंजीकरण शुरू हो चुका है, जोकि 18 जून तक जारी रहेगा। प्रवेश जेईई मेन्स-2026 की ऑल इंडिया रैंक के आधार पर होंगे। इसी प्रकार बीफामेर्सी कार्यक्रम में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया 29 अप्रैल से शुरू हो चुकी है तथा आवेदन की अंतिम तिथि 8 जून निर्धारित की गई है। बी फामेर्सी में प्रवेश एचएसटीईएस की ओर से आयोजित ऑनलाइन कॉमन एंट्रेंस टेस्ट के आधार पर होंगे। इन कार्यक्रमों से संबंधित जानकार टीईसीएचएडमिशंसएचआरवाई.जीओवी.इन पर उपलब्ध रहेगी।

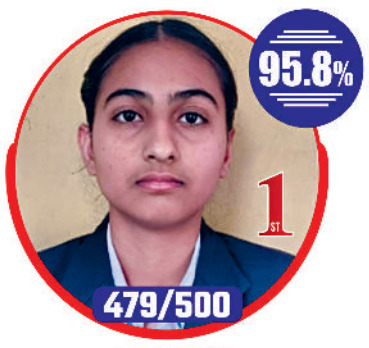

सड़क हादसे में कंपनी कर्मचारी की मौत

बावल। शनिवार की रात मिंडा कट के पास किसी वाहन की चपेट में आकर एक कंपनी कर्मचारी की मौत हो गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया। मूल रूप से बिहार के वि मा उ धा निवासी विवेक आ नं द आईएमटी की एक कंपनी में नौकरी कर रहा था। सड़क पर पैदल जाते समय मिंडा कट के पास किसी वाहन ने उसे टक्कर मार दी। उसे प्राथमिक उपचार के बाद परिजन रात को ही फरीदाबाद के सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल लेकर गए थे। वहां उपचार के दौरान उसने दम तोड़ दिया। कसोला पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम करा दिया। पुलिस ने केस दर्ज करने के बाद वाहन चालक का पता लगाने के प्रयास शुरू कर दिए।

■ पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया

व्यस्त आदमी को अपना काम करने में जितनी अक्ल की जरूरत पड़ती है, उससे ज्यादा अक्ल बेकार आदमी को समय काटने में लगती है।

- हरिशंकर परसाई

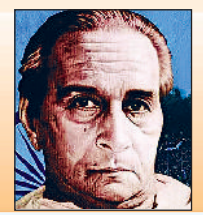

कहानी

आशमा कौल

मां की चिता के फूल

यह भी कैसी विडंबना थी कि जिसको खुश करने के लिए मां पूरे परिवार का ध्यान रखती, वही रोज़ किसी न किसी कारण से नाराज़ होकर घर से निकल जाता था।

समीर चलो अब घर चलें " – पिता की आवाज़ ने उसे चेताया तो वह धीमे स्वर में बोला – " पापा आप चलें, मैं थोड़ी देर और बैठना चाहता हूं यहां ''।

" ठीक है तो हम चलते हैं, तुम जल्दी आना, कल तुम्हें मांके फूल लेकर हरिद्वार सुबह चार बजे निकलना है "।

" जी पापा'' – बिना पलकें उठाए समीर ने कहा ।

मां की चिता पर बैठे हुए समीर को आज बचपन का एक एक दिन याद आ रहा है और याद आ रही है सुबह- शाम लट्टू सी दौड़ती मां। बड़ा परिवार था सास-ससुर, पति, एक ननद, दो देवर और बेटा-बेटी मिलाकर कुल आठ सदस्य और सारे घर को संभालने वाली अकेली मेरी मां।

दादा-दादी दोनों ने सत्तर पार करते ही पलंग पकड़ लिया था। ननद पूरा दिन दफ्तर रहती, पापा और दोनों चाचा अपने खानदानी कारोबार में व्यस्त रहते, मैं और दीदी अपनी पढ़ाई और खेल-कूद में लगे रहते। मां की मदद कराने के नाम पर एक मेहरी आती जो सुबह सफाई और बर्तन निपटा कर चली जाती । पूरा दिन मां घूमती रहती। सुबह सबका नाश्ता-पानी कराकर शायद कुछ खा लेती और फिर दिनभर दादा जी और दादी जी की सेवा, शाम को सबके आने से पहले रात के भोजन की तैयारी और उसके साथ न जाने कितने सैकड़ों काम वह अकेली जान निपटाती।

आज मैं पछताता हूं, काश कि मैं तब थोड़ा समझदार होता और मां के दुख-दर्द का साथी बनता। मुझे आज भी याद है कि जब एक रात मां बहुत थकी हुई थी, कामवाली आंटी भी उस दिन नहीं आई थी और जब उन्होंने हमसे कुछ मदद मांगी, तब मैं और दीदी उनकी अनसुनी कर पूरा दिन घर से बाहर दोस्तों के साथ खेलते रहे थे। रात को पापा थोड़ा देर से आए थे और उन्हे परोसा गया खाना शायद थोड़ा ठंडा था । तब पापा मां पर बरस पड़े थे –

" लता यह क्या, ठंडा खाना परोस कर रख दिया है, पूरे दिन का थका आता हूं, कोई शर्म लिहाज़ है कि नहीं, पूरा दिन घर में आराम करती हो ''।

मां ने अपने पर संयम रखते हुए धीमे से कहा – " आज मैं सुबह से ही खड़ी हूं, दिन का खाना भी नहीं खा सकी ''। बस इतना कहने की देर थी कि पापा ने गुस्से में खाने से भरी हुई थाली ज़मीन पर दे मारी और मां को गाली देते हुए अपने कमरे में चले गए। किसी की हिम्मत न हुई कि पापा को कुछ समझ सकें, उल्टे सब मां पर ही बरसने लगे कि उन्होंने पति के सामने मुंह ही क्यों खोला। उस दिन शायद मां भी सारा काम निपटा कर रोते-रोते भूखी ही सो गई थी। मेरे अबोध मन को भी उस दिन एक गलत तालीम मिल गई थी कि मां तो होती ही है सिर्फ काम करने के लिए और डांट खाने के लिए। उस दिन के बाद से मां भी अपने प्रति बेपरवाह सी हो गयी थी। सवेरे पांच बजे उठकर चक्की की तरह काम पर लग जाती लेकिन कभी किसी से कोई शिकायत नहीं करती, करती भी तो किससे। किसके पास समय था कि उसके मन की सुनता, उल्टे सब अपनी परेशानियां उसके हवाले कर के घर से निकल जाते जैसे कि उस पर कोई एहसान रख रहे हों। पढ़ी- लिखी तो मां भी थी, उस ज़माने की मैट्रिक पास और फिर जल्दी विवाह हो गया, चाहती तो कहीं नौकरी भी कर सकती थी लेकिन उसे तो यह घर और घरवाले जैसे विरासत में मिले थे। मां अपने संस्कारों की पक्की थी, जो नाना-नानी ने विदा करते हुए पोटली में बांध कर साथ दिए थे। सच कहुं तो दादा-दादी मां को बहुत प्यार करते, इतनी संस्कारी और सुशील बहू जो मिली थी, लेकिन खराब स्वास्थ्य की वजह से वे मां की कोई मदद न कर पाते और न ही कुछ कह पाते। बुआ जी और दोनों चाचा जी भी मां को बहुत मानते और उन्हे भाभी मां कह कर ही संबोधित करते और इस मान के एवज़ में मां उनकी हर ज़रूरत का ध्यान रखती।

मुझे याद आ रहा है कि मां मुझे और दीदी को कितना लाड़ करती। पिता जी व्यस्त रहते तो मां ही पापा के हिस्से का प्यार भी हम पर उड़ेल देती और हम मां की परेशानियों और जिम्मेदारियों से बेखबर हवा में उड़ते रहते। मां घर का कम ध्यान रखती तो पापा को शिकायत रहती, पूरा ध्यान रखती तो भी पापा खुश न होते।

"सब घरवालों का ध्यान रखती हो, लेकिन मेरा क्या, मुझे लगता है तुम्हारी शादी मुझसे नहीं मेरे परिवार से हुई है '' - पापा आए दिन तरह तरह के ताने मां को सुनाते। तारीफ के दो शब्द तो कभी न कहते, उल्टा हमेशा उसे कोसते हुए ही घर से निकलते।

यह भी कैसी विडंबना थी कि जिसको खुश करने के लिए मां पूरे परिवार का ध्यान रखती, वही रोज़ किसी न किसी कारण से नाराज़ होकर घर से निकल जाता। पापा के पास भी मां से लड़ने के कई बहाने रहते। उनके काम की थकान , घर की परेशानियों की झुंझलाहट, मां को खरी - खोटी सुना कर ही मानो दूर होती और वह हल्के हो जाते । हम में से जो भी घर घुसता मांको अपने दिनभर की थकान थमा कर हल्का हो जाता, लेकिन मां अपने दिनभर की थकान किसे देती। जब उसका कष्ट उसका पति और बच्चे ही नहीं समझ पाए तो बाकि भी क्यों समझते। मैंने भी तो पापा से यही कुछ सीखा था और अब मैं भी आए दिन मां को परेशान करता, कभी नमक ज्यादा का बहाना बना कर भरी थाली छोड़ देता, कभी दूध गिरा देता और अब तो मैंने मां पर चिल्लाना भी सीख लिया था। वह कहते हैं न कि संगत का असर तो होता ही है। पापा की मर्दानगी देख मैं भी मर्द बनने की कोशिश करता। मां की तकलीफ कभी समझ नहीं पाया। दीदी की बोर्ड की परीक्षा सिर पर आ गई थी और उससे किसी तरह की उम्मीद रखना ही बेकार था ।

मां ने जब दूसरी कामवाली बाई को रखने की इच्छा ज़ाहिर की तो सभी ने यह कहकर मना कर दिया कि हाल ही में सोसाइटी में कई चोरियां हुई हैं और दो बाइयां रखने में चोरी का खतरा है। मां का प्रस्ताव ठंडे बस्ते में चला गया बिचारी मां घर के चक्र व्यूह से कभी बाहर न आ सकी। अब आज इस चक्रव्यूह से मां निकल चुकी है लेकिन अपने जीवन को संस्कारों की दांव पर बलि चढ़ा कर।

कितनी अजीब बात है कि मां धीरे- धीरे अंदर ही अंदर तन और मन के बोझ से गल रही थी और परिवार में किसी को इसकी भनक तक न हुई । हम सब दोषी हैं, लेकिन मैं तो सबसे बड़ा दोषी हूं मां की असमय मृत्यु का। मां के बीमार होने से कुछ दिन पहले ही तो मैं बिना किसी बात मां पर भड़का था और मां मुझे समझाने का विफल प्रयास करती रही थी। वह मुझे अपनी जान से भी ज्यादा प्यार करती थी

अचंभे की बात है कि मां को गए अभी दो ही दिन हुए हैं और घर के सभी लोग समझदार और स्वावलम्बी हो गए। मैं और दीदी भी दो दिन में ही सयाने हो गए हैं। काश, यह सब मां के जाने से पहले हो जाता।

और मेरे इस व्यवहार से बहुत आहत हुई थी। अगले दिन मां को कमज़ोरी और परेशानी से उसे चक्कर सा आया और बेहोश होकर कोमा में चली गई और फिर कभी होश में न आई। मैं कितना अभागा हूं कि मैंने अपनी प्यारी मां को अपनी नासमझी की वजह से धीरे-धीरे मौत के मुंह में धकेल दिया। शायद अब घर में सभी को ऐसा महसूस हो रहा होगा। पापा और दीदी का तो रो-रो कर बुरा हाल है, शायद वे भी पछतावे की आग में जल रहे हैं और बाकि सब भी अंदर ही अंदर घुट रहे हैं। जाने-अनजाने में उनसे कितना बड़ा पाप हुआ है। सारा घर हैरान-परेशान है कि घर जिस धूरी पर चल रहा था, वह धूरी ही आज टूट गई है तो अब घर कौन संभालेगा। बहुत अचंभे की बात है कि मां को गए अभी दो ही दिन हुए हैं और घर के सभी लोग समझदार और स्वावलम्बी हो गए। मैं और दीदी भी दो दिन में ही सयाने हो गए हैं। काश, यह सब मां के जाने से पहले हो जाता।

मां को अग्नि के सुपुर्द करते समय मैं अंदर से पूरा टूट गया था। आज मेरा मन तड़प-तड़प कर कह रहा है कि हे ईश्वर, यह मेरे साथ ही क्यों हुआ, मेरी मां को इतनी जल्दी क्यों छीन लिया मुझसे, अब तो यह दुनिया रहने लायक ही नहीं रही। मैं ही मां का दोषी हूं और मुझे जीने का कोई हक नहीं है।

समीर अपनी पिछली यादों की अंतर्वेदना में गुम अपने साथ ही बुदबुदा रहा था कि तभी किसी की आवाज़ सुन कर अवचेतन मन से बाहर आया–" बेटा बहुत देर से यहां अकेले बैठे हो, फूल चुन लिए क्या''।

उसने अपनी आंखें खोली और मां की चिता से भस्म को जैसे ही अपने हाथ में लिया, उसी क्षण उसे एक शीतल सिहरन सी महसूस हुई। उसे लगा जैसे एक ठंडी लहर उसके दुख से जलते मन को शांत कर रही है और वह लहर उसके सिर को छूती हुई निकल गई है।

समीर को एक पल को ऐसा लगा जैसे मां उसके सिर पर अपना आशीर्वाद वाला हाथ रखकर व्योम में विलीन हो गई है। उसे अपने और अपनी सोच में कुछ बदलाव सा लगा। उसकी नकारात्मकता गायब हो गई और कुछ पल पहले वह रो-रो कर जहां खुद को दोषी मान रहा था और अपने जीवन को कोस रहा था, वहीं अब उसकी सोच ही बदल गई है। उसने अब तय कर लिया कि वह जीएगा और सिर्फ जीएगा नहीं बल्कि मां के सपने को पूरा करेगा। वह पढ़-लिख कर एक काबिल डॉक्टर बनेगा और गरीबों की सेवा करेगा।

समीर ने मां की चिता से फूल समेटे। मन ही मन संकल्प लिया और उठ खड़ा हुआ, कपड़े झाड़े और चिता को नमस्कार कर वापस घर की तरफ चल पड़ा । आज वह एक बदला हुआ समीर था, उसे यकीन हो गया था कि मां आज भी मरने के बाद उसे बहुत प्यार करती है और उसकी गलतियों को माफ़ कर चुकी है। उसे महसूस हो रहा था कि मां उसके साथ चल रही है, उसकी उंगली थामे।

पुस्तक समीक्षा

देशभक्ति और प्रेम संग्रह 'कितना सुंदर है तिरंगा'

समीक्षक

सेंट्रल डेस्क

आज के दौर में जहां साहित्य कई बार जटिलता की ओर बढ़ता दिखता है, वहीं लघुकविता-संग्रह अपनी सरलता और सीधे संदेश के कारण अलग पहचान बनाते हैं। यह कृति देशभक्ति की भावनाओं को सहज शब्दों में पाठकों तक पहुंचाती है। 'कितना सुंदर है तिरंगा' लघुकविताओं का ऐसा संग्रह है, जिसमें राष्ट्रप्रेम, सैनिकों का पराक्रम और देश के प्रति समर्पण प्रमुख विषय के रूप में उभरकर सामने आते हैं। पुस्तक की कविताएं आकार में छोटी हैं, लेकिन उनका प्रभाव गहरा है। लेखक ने कम शब्दों में बड़े भाव व्यक्त करने की कला को बखूबी निभाया है। इस संग्रह में प्रेम, स्मृतियों, प्रकृति प्रेम, श्रृंगार, व्यंग्य एवं प्रेम विषय लघुकथाएं अनायास ही मन को छू लेती हैं। वहीं, वीरों की गाथाएं मन में देशभक्ति का जोश भर देती हैं। संग्रह की "हे सैनिक" कविता सैनिक के जीवन, उसकी देशभक्ति और हर परिस्थिति में कर्तव्य निभाने की भावना को उजागर करती है। वहीं "लहरा रहा है तिरंगा" कविता में भारतीय सेना के साहस और आतंकवाद के खिलाफ उसकी निर्णायक कार्रवाई को दर्शाया गया है। वहीं, भारत की ताकत में सेना के शौर्य को दर्शाया गया कि उसने कैसे ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान को धूल चटाई। लघु अध्याय दो मां, नाना-नानी, दादा-दादी, भाई बहन और परिवार प्रेम को दर्शाता है। अध्याय तीन प्रेम स्मृति और अध्याय चार प्रेम दर्शन के दर्शन करवाता है। भाषा की दृष्टि से यह संग्रह अत्यंत सरल और सहज है। लेखक ने आम बोलचाल की हिंदी का प्रयोग किया है, जिससे यह पुस्तक हर वर्ग के पाठकों के लिए सुलभ बन जाती है। कविताओं में सीधे-सीधे भाव व्यक्त किए गए हैं, जो बिना किसी जटिलता के पाठक के मन तक पहुंचते हैं। यही इसकी सबसे बड़ी ताकत भी है। हालांकि, साहित्यिक दृष्टि से देखा जाए तो कुछ कविताओं में रूपकों और प्रतीकों का विस्तार कम दिखाई देता है। यदि काव्यात्मक गहराई और बिंबों का प्रयोग थोड़ा और बढ़ाया जाता, तो यह संग्रह और अधिक प्रभावशाली बन सकता था। फिर भी, स्पष्ट और सटीक संदेश देने की दृष्टि से यह शैली उपयुक्त साबित होती है। पुस्तक की प्रस्तावना में लेखक ने लघुकविता विधा के प्रति अपने लगाव और साहित्यिक यात्रा का उल्लेख किया है, जो पाठकों को रचनाओं की पृष्ठभूमि समझने में मदद करता है। कुल मिलाकर 'कितना सुंदर है तिरंगा' एक ऐसी कृति है, जो देशभक्ति के भाव को सरल और प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करती है। यह संग्रह उन पाठकों के लिए खास है, जो कम शब्दों में गहरी भावनाएं पढ़ना पसंद करते हैं और राष्ट्रप्रेम से जुड़ी रचनाओं में रुचि रखते हैं।

डॉ. तेजिंद्र

कवि

कवि कॉर्नर

कविता डॉ. तबस्सुम जहां

आंखें

आंखों से अब क्या,
अपनी कहानी कहें।
बात जो भी कहें,
हम वो जुबानी कहें।
हजारो ख़्वाब देखे थे,
हमने बनके मरासिम।
क्यों उनको इन आँखों की,
नादानी कहें...।
जो बीत चुकी वो उम्र थी,
जो ढल चुकी
क्यों न उसे जवानी कहें।
जो छोड़ चुके थे कब से
आँखों की हया औ शर्म
वो चाहते हैं कि
हम उन्हें ख़ानदानी कहें।
देख कर आँख चुराते हो
करते हो नजरअंदाज,
क्या हम इसको
हुजूर की बेईमानी कहें।
आओ बैठो दोस्तों
कभी चाय पर मिलो,
तुम नई सुनाओ और
हम कुछ पुरानी कहें।
आँखों से अब क्या
अपनी कहानी कहें
बात जो भी कहें
हम वो जुबानी कहें।..

कविता सतीश कुमार

संघर्ष बहुत है जीवन में

संघर्ष बहुत है इस जीवन में,
जो हमने करना सीख लिया है।
आंधी में भी दीपक बनकर,
हमने जलना सीख लिया है।

हो लाख मुसीबत राहों में ,
या दुःख की काली रात मिले।
हंसकर हर मुश्किल में आगे,
हमने बढ़ना सीख लिया है।

अपने ही जब छोड़ चले तो,
दिल को थोड़ा दर्द हुआ।
टूटे अरमानों संग खुद को,
हमने गढ़ना सीख लिया है।

झूठ अक्सर रहा जीतता,
यहां सच को ठोकर मिलती है।
सच्चाई के पथ पर फिर भी,
हमने चढ़ना सीख लिया है।

मेरी मंजिल खुद आ जाएगी,
हिम्मत अगर सलामत है।
गिर के उठ जाने का हुनर,
हमने रखना सीख लिया है।

पसीना बोतलों में भरकर रखिए...

व्यंग्य आसिम अनमोल

एक रोज़ पत्नी अपने पति से बोली कि एक ठंडा-ठंडा, कूल-कूल पाउडर का डिब्बा लाकर दीजिए। पति बोला- पिछले सप्ताह तो लाकर दिया था। पाउडर लगाती हो या पड़ोसी को दान कर देती हो। पत्नी तिलमिलाती हुई बोली-मुझ पर क्यों भड़क रहे हो। पाउडर त्वचा पर लगाती हूं टिकता ही नहीं। भड़कना ही है तो बिजली वालों और उस विधाता पर भड़कों जो आसमान से गर्मी की मिसाइलें चलाकर संसार के प्रत्येक दिमाग़ को गर्मागर्म कर रहा है।

हर वर्ष की तरह घटना बनकर गर्मी फिर आ गई। गर्मी, बारिश लू के थपेड़े मानवीयता को चारों दिशाओं में बड़े साहस के साथ घेरे खड़े हैं । जितना गर्मी से लोग परेशान नहीं हो रहे हैं। उतना मौसम विभाग की चेतावनी से भयभीत हो रहे हैं। जिनको गर्मी नहीं लग रही होती है, उनको भी लगनी शुरू हो रही है। गर्मी का प्रकोप मानसिक पटल पर खूब उत्पात मचा रहा है । गर्मी और लाइट न जाने किस जन्म का बदला ले रहे हैं। इधर गर्मी अपनी आसमानी सत्ता का पावर दिखा रही है। उधर, विद्युत निगम के आकाओं से भीख रूपी अर्जित की जाने वाली लाइट से यदा-कदा पंखे व कूलर चलवा रही है।

कुछ समय बाद गर्मी यह कहकर चली जा रही है कि तुम आम या खास को ज्यादा गर्माहट मत देना। बस अपने हद में रहकर हल्के-फुल्के पसीने छुड़वाते रहना ताकि तुम्हारा संसार में तापमानीय भ्रम बना रहे, वरना तुम्हारी प्रतिष्ठा पर बन आएगी। मौसम विभाग, बिजली और गर्मी तीनों की तिकड़ी गर्मी का शुभारम्भ करते हुए इंसानी शरीर को पसीना-पसीना करके चिपचिपा बनाने पर तुली हुई है। मौसम विभाग शरीर के चिपचिपेपन में वृद्धि करते हुए गर्मी के बढ़ने की ओर पुरज़ोर तरीके से इशारा कर रहा है। छोटे शहरों में लाइट यह कहकर आ-जा रही है कि अपना-अपना पसीना बोतलों में भरकर रखिए। मैं रोस्टिंग निपटा के आती हूं। यह तीनों ही अनुमानित ढंग से ऐसे अपना अपना काम कर रहे हैं, जैसे सरकार अपने मुताबिक काम करती है। अब भला गर्मी को सोचना चाहिए कि इंसान का डीएनए पहले से ही जीवन की समस्याओं और उलझनों में उलझा हुआ है। ऊपर से तुम हर साल सताने आ जाती हो। डिग्री सेल्सियस रुतबा अलग दिखाती रहती है। घटने का काम ही नहीं लेती है।

उसको लगता है कि घटने पर मेरा अपमान हो जाएगा, इसलिए वीर तुम बढ़े चलो की तर्ज पर गर्मी बढ़ती ही रहती है। इसी कारण सरकारी ऑफिस दोपहर में सोने और लेटने के विश्रामगृह बनते जा रहे हैं। घर-घर नींद पसर रही है। गर्मी की पहुंच भी सीधे गगन तक है, इसलिए इंसान का मानसिक पारा इतना गर्म कर रही है कि घरेलू माहौल में भी रोज़-रोज़ की कलह पैदा कर देती है। यानी गर्मी लड़ाई-झगड़ा करवाने की भी प्रतीक है। अब अगर इंसान अपनी गर्मी की हैसियत दिखाने की ओर अग्रसर होगा तो गर्मी पूरे व्यक्तित्व को जलाने का ही काम करेगी। गर्मी का मिज़ाज़ समझने की ज़रूरत होनी चाहिए। उसके मिज़ाज़ के लिहाज़ से अपना मानसिक संतुलन बनाकर रखना चाहिए। अब प्राकर्तिक गर्मी यह तो नहीं कहती कि आप अपने सिर के बाल नोचते घूमें। बीवी पर गर्मी का गुस्सा उतारें। पड़ोसियों के बच्चों की आपस में कोई नोक-झोंक हो जाए तो खुद परिपक्व बनकर लड़ाई झगड़ों के प्रतीक होते घूमें। बाप की अच्छी सलाह पर जिस्म से बहते पसीने से आजिज़ आकर उनके साथ खराब सलूख की अंताक्षरी खेलें। दुनियां को अपनी गर्मी से इतना गर्म न करें कि दुनियां आपकी आलोचनाओं भरी बातों को जगह-जगह चाय-पानी की तरह परोसती घूमें। ऐसे ही एक रोज़ पत्नी अपने पति से बोली कि एक ठंडा-ठंडा, कूल-कूल पाउडर का डिब्बा लाकर दीजिए। पति बोला- पिछले सप्ताह तो लाकर दिया था। पाउडर लगाती हो या पड़ोसी को दान कर देती हो। पत्नी तिलमिलाती हुई बोली-मुझ पर क्यों भड़क रहे हो। पाउडर त्वचा पर लगाती हूं टिकता ही नहीं। भड़कना ही है तो बिजली वालों और उस विधाता पर भड़कों जो आसमान से गर्मी की मिसाइलें चलाकर संसार के प्रत्येक दिमाग़ को गर्मागर्म कर रहा है।

कुछ हटकर

जीवनरक्षक प्रोफेशनल करियर बी.एससी. मेडिकल टेक्नोलॉजी

विपुल शर्मा

मोटिवेशनल स्पीकर

आज के बदलते लाइफस्टाइल, डायबिटीज, हाई ब्लड प्रेशर, अनियमित खान-पान और तनाव के कारण किडनी से जुड़ी बीमारियां तेजी से बढ़ रही हैं। हर वर्ष देश में लाखों नए मरीज डायलिसिस पर निर्भर हो रहे हैं। सरकारी और निजी स्तर पर डायलिसिस सेंटर्स की संख्या में निरंतर वृद्धि हो रही है। ऐसे में डायलिसिस प्रक्रिया को सुरक्षित, प्रभावी और मानवीय तरीके से संचालित करने वाले प्रशिक्षित डायलिसिस टेक्नोलॉजिस्ट्स की मांग अभूतपूर्व रूप से बढ़ रही है। बी.एससी. मेडिकल टेक्नोलॉजी एक ऐसा हेल्थकेयर कोर्स है, जो जीवन बचाने की प्रक्रिया का अहम हिस्सा बनने का अवसर भी प्रदान करता है।

डायलिसिस टेक्नोलॉजिस्ट

डायलिसिस टेक्नोलॉजिस्ट एक प्रशिक्षित एलाइड हेल्थ प्रोफेशनल होता है, जो किडनी फेल्योर से पीड़ित मरीजों के लिए डायलिसिस मशीन से रक्त शुद्धिकरण प्रक्रिया को संचालित करता है।

जिम्मेदारियां

- हेमोडायलिसिस एवं पेरिटोनियल डायलिसिस प्रक्रिया का संचालन
- डायलिसिस मशीन और वाटर ट्रीटमेंट सिस्टम का प्रबंधन
- मरीज की प्री-डायलिसिस और पोस्ट-डायलिसिस मॉनिटरिंग
- वास्कुलर एक्सेस की देखभाल संक्रमण नियंत्रण का पालन
- आपातकालीन स्थितियों में त्वरित प्रतिक्रिया
- मरीज और परिजनों को डायलिसिस से संबंधित परामर्श
- डायलिसिस रिकॉर्ड और डॉक्यूमेंटेशन का रख-रखाव

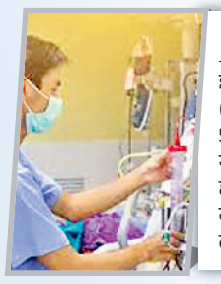

आवश्यक कौशल

इस कोर्स में प्रवेश के लिए अभ्यर्थी का 12वीं कक्षा (**Physics**, **Chemistry**, **Biology**) न्यूनतम 50–55% अंकों के साथ उत्तीर्ण होना अनिवार्य है। सरकारी संस्थानों में प्रवेश परीक्षा के माध्यम से होता है निजी संस्थानों में प्रवेश लेते समय **NCAHP** मान्यता, अस्पताल से संबद्धता और क्लिनिकल ट्रेनिंग सुविधा पर विशेष ध्यान देना आवश्यक है।

सरकारी क्षेत्र में विकल्प

- सरकारी अस्पताल
- मेडिकल कॉलेज*
- राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन
- राज्य एवं केंद्र सरकार की डायलिसिस योजनाएं

निजी क्षेत्र में विकल्प

- कॉर्पोरेट डायलिसिस चेन
- मल्टी-स्पेशियलिटी हॉस्पिटल्स
- मेडिकल डिवाइस एवं हेल्थकेयर कंपनियाँ

अनुभव के साथ इस क्षेत्र में स्थिर नौकरी, आकर्षक वेतन और सामाजिक सम्मान प्राप्त होता है।

विदेश में करियर की संभावनाएं

डायलिसिस टेक्नोलॉजी एक ग्लोबली डिमांडेड स्किल है। भारत में अनुभव प्राप्त करने के बाद छात्र निम्न देशों में अवसर तलाश सकते हैं: **खाड़ी देश** : यूरोप, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा (ब्रिज कोर्स / लाइसेंसिंग के बाद) अंतरराष्ट्रीय स्तर पर डायलिसिस टेक्नोलॉजिस्ट्स की भारी मांग है, विशेषकर अनुभवी प्रोफेशनल्स के लिए।

बी.एससी. मेडिकल टेक्नोलॉजी (डायलिसिस थैरेपी टेक्नोलॉजी) एक ऐसा करियर है जो सेवा, तकनीकी दक्षता और मानवता: तीनों को एक साथ जोड़ता है।

मोटिवेशनल

टाइम मैनेजमेंट में मास्टर बनें

डॉ. दिव्या तंवर

मोटिवेशनल स्पीकर

कल्पना करो कि फोन उठाया "बस पांच मिनट" नोटिफिकेशन चेक करने के लिए, और अचानक दो घंटे निकल गए। परिचित लग रहा है ना? तुम अकेले नहीं हो। आजकल छात्र औसतन 4.8 घंटे रोज सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर बिताते हैं यानी हफ्ते में 35 घंटे से ज्यादा! इतना समय किसी नई स्किल सीखने, एग्जाम में टॉप करने या अपना सपना पूरा करने के लिए काफी है। सबसे अच्छी बात यह है कि सोशल मीडिया समय का चोर नहीं, बल्कि तुम्हारा सबसे स्मार्ट टीचर बन सकता है, बस तुम्हें इसे सही तरीके से इस्तेमाल करना है। यह फोन छोड़ने की बात नहीं है, बल्कि इसे सुपरपावर बनाने की बात है। तैयार हो? चलो शुरू करते हैं।

1. अपना समय ऑडिट करो (आँखें खोलने वाला कदम)

फोन में स्क्रीन टाइम चेक करो। ईमानदारी से देखो। ज्यादातर छात्र हैरान रह जाते हैं। चुनौती: रोज सिर्फ 30 मिनट माइंडलेस स्क्रोलिंग कम करो। हफ्ते में 3.5 घंटे एक्स्ट्रा मिल जाएंगे सीखने के लिए!

2. अपना फीड प्रोफेशनल तरीके से क्यूरेट करो

उन अकाउंट्स को अनफॉलो करो जो एनर्जी खाते हैं या तुलना का भाव जगाते हैं। फॉलो करो:

3. "लर्निंग स्क्रोल" का समय तय करो

टाइम-ब्लॉकिंग यूज करो:

- 25 मिनट पढ़ाई (पोमोडोरो) → 5 मिनट लर्निंग अकाउंट पर स्क्रोल
- या रोज शाम 30 मिनट "माइक्रो-लर्निंग" के लिए रखो — एक नया कॉन्सेप्ट, एक स्किल वीडियो।

4. देखना नहीं, करना सीखो

सिर्फ वीडियो मत देखो, एक्शन लो। पब्लिक स्पीकिंग का वीडियो देखा? खुद रिकॉर्ड करके प्रैक्टिस करो। कोडिंग ट्यूटोरियल देखा? छोटा प्रोजेक्ट बनाओ। नोट्स लिखो और किसी दोस्त को सिखाओ। इससे सीखना मजबूत होती है।

5. साफ लक्ष्य रखो और प्रोग्रेस ट्रैक करो

हर रविवार तय करो: "इस हफ्ते डिजिटल मीडिया पर मैं सीखूंगा/ङ्घ" (जैसे कंपाउंड इंटरेस्ट या बेसिक पाइथन)। हफ्ते के अंत में जो सीखा, उसे सेलिब्रेट करो। प्रोग्रेस देखना बहुत मोटिवेट करता है।

6. बैलेंस सबसे जरूरी है

डिजिटल डिटॉक्स का समय रखो -सोने से एक घंटा पहले या खाने के समय। बाहर घूमो, दोस्तों से मिलो, एक्सरसाइज करो। सबसे सफल छात्र जानते हैं कि कब लॉग ऑफ करना है।

लघु कथा

अपनापन

डॉ. अंजना गर्ग

कहानीकार

वृद्धाश्रम बहुत शानदार था। एसी कमरे, टीवी, डॉक्टर, नर्स, गार्डन... सब कुछ।

बस एक चीज नहीं थी—"अपनापन।"

रात के खाने के बाद बुजुर्ग अपने बच्चों की बातें कर रहे थे।

"मेरा बेटा लंदन में है..."

"मेरी बेटी ऑस्ट्रेलिया में डॉक्टर है..."

हर परिचय उपलब्धियों से शुरू होता और आँखों की नमी पर खत्म।

एक बुजुर्ग रमेश रोज शाम को वहाँ आते थे। किसी कमरे में नहीं जाते थे, बस गेट के पास बैठे बुजुर्ग मुकेश के साथ घंटों बातें करते।

घुमंतू ने रमेश जी से पूछा—"आप यहाँ तो नहीं रहते न ....."

वो मुस्कराए—"नहीं, मेरा घर पास में ही है।"

"फिर भी रोज इस वृद्धाश्रम में आते हैं?"

उन्होंने गेट की ओर टकटकी लगाए बैठे अपने दोस्त मुकेश को देखा और धीमे से बोले—

"इसका बेटा अमेरिका में है। पहले हर हफ्ते फोन करता था... फिर हर महीने.. अब कभी-कभी।

लेकिन ये आज भी हर शाम गेट की तरफ देखता है। इसे लगता है शायद आज बेटा अचानक सामने आ जाए। बस... इसलिए मैं रोज आ जाता हूँ। कम से कम मेरा दोस्त इंतजार अकेले तो न करे।"

घुमंतू ने वृद्धाश्रम की चमकती दीवारों को देखा और सोचा

- सुविधाएँ इंसान को आराम दे सकती हैं, लेकिन किसी अपने की कमी...पूरी नहीं कर सकती।

खबर संक्षेप

फरार चल रहा पीओ चढ़ा पुलिस के हत्थे

रेवाड़ी। थाना मॉडल टाउन पुलिस ने कोर्ट से पीओ घोषित होने के बाद फरार चल रहे एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। कोर्ट ने राजस्थान के खैराल निवासी सुनील को अदालत में पेश नहीं होने के कारण पीओ घोषित किया था। उसके खिलाफ केस दर्ज करने के आदेश जारी किए गए थे। आरोपी के खिलाफ पहले भी पुलिस ने केस दर्ज किए थे। अब मॉडल टाउन थाना पुलिस ने कोर्ट के आदेश पर केस दर्ज करने के बाद आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

सड़क हादसों के आरोपी चालक गिरफ्तार

रेवाड़ी। पुलिस ने सड़क हादसों के बाद फरार दो वाहन चालक को गिरफ्तार किया है। रोहड़ाई पुलिस ने गत 15 मई को हुए हादसे के बाद वाहन चालक के खिलाफ केस दर्ज किया था। चालक हादसे के बाद मौके से फरार होने में कामयाब हो गया था। जांच के बाद पुलिस ने लुहाना निवासी विक्रम को गिरफ्तार कर लिया। थाना खोल पुलिस ने 11 मई को दर्ज किए गए मामले में जैनाबाद निवासी मनोज को गिरफ्तार किया है। इस हादसे में रिटायर्ड स्कूल टीचर की मौत हो गई थी। उसकी बाइक को भी पुलिस ने कब्जे में ले लिया। तफ्तीश में शामिल करने के बाद आरोपियों को रिहा कर दिया गया।

दहेज उत्पीड़न मामलों में दो गिरफ्तार

रेवाड़ी। पुलिस ने दहेज की मांग पर दो विवाहिता को परेशान करने और जान से मारने की धमकी देने के मामलों दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। महिला थाना पुलिस ने एक महिला की शिकायत के बाद दोनों पक्षों के बीच बातचीत से समझौता कराने के प्रयास किए थे। समझौता नहीं होने के बाद ससुराल पक्ष के लोगों के खिलाफ 14 मई को दहेज उत्पीड़न का केस दर्ज किया था। इस मामले में पुलिस ने सैय्यद सराय निवासी हरीश को गिरफ्तार किया है।
खोल थाना पुलिस ने 12 अप्रैल को दर्ज किए गए मामले में करावरा मानकपुर निवासी टेकचंद को गिरफ्तार किया है।

चोरी के मामलों का आरोपी वारंट पर

रेवाड़ी। थाना रोहड़ाई पुलिस ने चोरी के चार मामलों में एक आरोपी को कोर्ट से प्रोडक्शन वारंट पर लिया है। पुलिस ने थाना क्षेत्र में हुई चोरी की वारदात के बाद पीड़ति की शिकायत के आधार पर गत वर्ष 13 दिसंबर को चोरी का केस दर्ज किया था। इसके साथ-साथ तीन अन्य मामलों में पुलिस ने कोर्ट से यूपी के दरबारपुर खुर्द कैराना निवासी वकील उर्फ खान को प्रोडक्शन वारंट पर लिया है।
उसे चोरी के अन्य मामलों में गिरफ्तार किया था। आरोपी ने जिले के कई गांवों में पशु चोरी की वारदातों को अंजाम दिया था। पुलिस उससे पूछताछ कर रही है।

हुड़दंगबाजी करने के दो आरोपी गिरफ्तार

रेवाड़ी। थाना मॉडल टाउन पुलिस ने सार्वजनिक स्थान पर हुड़दंगबाजी करने के आरोप में दो लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस को सूचना मिली थी कि मॉडल टाउन थाना एरिया में दो लोग हुड़दंगबाजी कर रहे हैं। पुलिस ने सूचना मिलने के बाद मौके पर जाकर दोनों आरोपियों को काबू कर लिया। पूछताछ के
दौरान एक ने अपना नाम यूपी के बजरी निवासी दूरबान और दूसरे ने भवाड़ी निवासी तिलकराज बताया।दोनों को मौके पर ही गिरफ्तार करने के बाद उनके खिलाफ केस दर्ज कर लिया गया।

सिहोर में कन्या जन्म पर किया कुआं पूजन

नारनौल। कनीना उपमंडल के गांव सिहोर में मास्टर नौबत सिंह पुत्र कप्तान घीसाराम के परिवार में कन्या जन्म पर कुआं पूजन कर खुशियां मनाई गई। प्रमुख समाजसेवी नेताजी अतरलाल एडवोकेट ने नवजात कन्या वर्णिका की माता मोनिका व पिता मनीष यादव को प्रशस्ति पत्र तथा स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया।

राव तुलाराम स्टेडियम में आयोजित नियमित योग कक्षा में योग करवाया

योग मन, बुद्धि और आत्मा को संतुलित करने वाली संपूर्ण जीवन पद्धतिः आर्य

आज की भागदौड़ भरी जीवनशैली में तनाव, चिंता, मधुमेह, उच्च रक्तचाप एवं अन्य अनेक बीमारियों से बचने के लिए योग सबसे सरल एवं प्रभावी उपाय

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

रेवाड़ी। आरटीआर स्टेडियम में योगाभ्यास करते हुए नागरिक। फोटो : हरिभूमि

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की तैयारियों को लेकर आयुष विभाग, हरियाणा योग आयोग एवं जिला प्रशासन की ओर से संचालित योग प्रोटोकॉल के अंतर्गत रविवार को राव तुलाराम स्टेडियम में आयोजित नियमित योग कक्षा में योग प्रोटोकॉल का अभ्यास कराया गया। पूर्व मुख्याध्यापक समय सिंह की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पतंजलि योग समिति के जिला प्रभारी दयाराम आर्य तथा विशिष्ट अतिथि भारत स्वाभिमान ट्रस्ट के जिला प्रभारी मुकेश कुमार थे। मीडिया प्रभारी मुकेश कुमार ने बताया कि योग कक्षा पूर्व मुख्याध्यापक समय सिंह के प्रयासों व प्रेरणा से पिछले लगभग 20 वर्षों से नियमित रूप से संचालित की जा रही है, जिसमें सैकड़ों लोग योग से जुड़कर स्वस्थ जीवनशैली अपना चुके हैं। मुख्य अतिथि दयाराम आर्य ने योग साधकों को विभिन्न योगासन, प्राणायाम, सूक्ष्म व्यायाम एवं ध्यान का अभ्यास कराया। उन्होंने कहा कि योग केवल शरीर को स्वस्थ रखने का माध्यम नहीं, बल्कि मन, बुद्धि एवं आत्मा को संतुलित करने वाली संपूर्ण जीवन पद्धति है। उन्होंने कहा कि आज की भागदौड़ भरी जीवनशैली में तनाव, चिंता, मधुमेह, उच्च रक्तचाप एवं अन्य अनेक बीमारियों से बचने के लिए योग सबसे सरल एवं प्रभावी उपाय है। विशिष्ट अतिथि मुकेश कुमार ने कहा कि योग मानव जीवन को सकारात्मक दिशा देने का सशक्त माध्यम है। योग व्यक्ति को शारीरिक शक्ति, मानसिक शांति एवं आत्मिक ऊर्जा प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में बढ़ते मानसिक तनाव एवं अनियमित जीवनशैली के कारण समाज अनेक बीमारियों की चपेट में आ रहा है। ऐसे समय में योग ही स्वस्थ एवं संतुलित जीवन का आधार बन सकता है। उन्होंने युवाओं एवं विद्यार्थियों को नशे जैसी बुराइयों से दूर रहकर योग अपनाने की प्रेरणा दी।

ये मौजूद रहे

पूर्व मुख्याध्यापक एवं वरिष्ठ योग शिक्षक समय सिंह ने कहा कि योग व्यक्ति के जीवन में अनुशासन, आत्मविश्वास एवं सकारात्मक सोच का निर्माण करता है। उन्होंने कहा कि जब तक शरीर स्वस्थ नहीं होगा, तब तक व्यक्ति अपने जीवन के लक्ष्यों को पूर्ण रूप से प्राप्त नहीं कर सकता। इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को प्रतिदिन योग के लिए समय अवश्य निकालना चाहिए। इस अवसर पर कैप्टन जगरूप सिंह, प्राचार्य अजीत सिंह, इंस्पेक्टर हरि प्रकाश, पूर्व मुख्याध्यापक रामकिशन, बाबू भूपेंद्र सिंह, धर्मवीर, पवन कुमार, भारत, दीपक व वंश सहित बड़ी संख्या में योग साधक उपस्थित थे।

महेंद्रगढ़। बच्चों को सम्मानित करते हुए। फोटो : हरिभूमि

बुचौली में मेधावी विद्यार्थियों को किया सम्मानित

हरिभूमि न्यूज महेंद्रगढ़

राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय बुचौली में प्राचार्य धर्मवीर सिंह की अध्यक्षता में एक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में सरपंच अलका यादव, समाजसेवी मुकेश चौहान, डॉ. बीआर अंबेडकर समिति प्रधान जयसिंह मेहरा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन प्रवक्ता ममता देवी व मनोज कुमार ने बताया कि इस वर्ष हरियाणा बोर्ड की कक्षा 10वीं व 12वीं का परीक्षा परिणाम बड़ा शानदार रहा है, विद्यालय की कक्षा 10 के चार विद्यार्थियों ने 90 प्रतिशत अंक प्राप्त किए और सभी विद्यार्थी प्रथम डिविजन से पास हुए है। वहीं कक्षा 12वीं में दो विद्यार्थियों ने 80 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त किए हैं एवं सभी विद्यार्थियों ने प्रथम डिविजन से प्राप्त किया है। शनिवार को वार्षिक परीक्षा परिणाम में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 10वीं के चार और 12वीं के दो विद्यार्थियों को प्राचार्य धर्मवीर सिंह ने स्मृति चिन्ह एवं सभी को 500 रुपये नकद राशि देकर सम्मानित किया। वहीं सरपंच अलका यादव, समाजसेवी अरविंद मोहन उर्फ सोनू ने दसवीं के चार टॉपर बच्चे एवं 12वीं के दो टॉपर बच्चों को फ्रेम भेटकर सम्मान किया।

ये रहे मौजूद

कार्यक्रम में प्रवक्ता बबीता, ममता, अनीता, सुजाता, ज्योति डीपीई, पाला राम, कर्मबीर, राकेश, मनोज, जितेंद्र डुलाना, पुष्पा कम्प्यूटर टीचर, दीपक तंवर, अपूर्णा, जितेंद्र पायगा, नरेश उपस्थित रहे।

कोनसीवास के प्रविंद बने असिस्टेंट प्रोफेसर

रेवाड़ी। बावल कॉलेज में पदभार ग्रहण करते हुए प्रविंद्र। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

जिले के गांव कोनसीवास निवासी प्रविंद्र यादव का चयन असिस्टेंट प्रोफेसर के पद पर हुआ है। प्रविंद्र ने शनिवार को गवर्नमेंट कॉलेज बावल के राजनीति विज्ञान विभाग में पदभारभी ग्रहण कर लिया है। कॉलेज की प्रिंसिपल डा. नमिता ने उन्हें पदभार ग्रहण कराया। प्रविंद्र ने अपनी सफलता का श्रेय पिता देवेन्द्र कुमार, माता मधु देवी और शिक्षकों को दिया है। मास्टर सुरेंद्र कुमार, राजेंद्र, डा. राजेश बंसल, डा. सुनील यादव, डा. इंद्रजीत, रणधीर सिंह, जितेंद व भूपेन्द्र ने प्रविंद्र को बधाई दी है।

वर्तमान समय में कॉमर्स क्षेत्र में करियर की अपार संभावनाएं उपलब्ध

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मीरपुर

इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय की ओर से शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए स्नातक एवं एकीकृत पाठ्यक्रमों में प्रवेश प्रक्रिया शीघ्र शुरू की जा रही है। विवि की वेबसाइट के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया 20 मई से शुरू होगी। वाणिज्य विभागाध्यक्ष प्रोफेसर रविन्द्र ने कहा कि 12वीं के बाद सही पाठ्यक्रम का चयन विद्यार्थियों के भविष्य को नई दिशा देता है। इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए वाणिज्य विभाग की ओर से 5 वर्षीय इंटीग्रेटेड एमकॉम कार्यक्रम संचालित किया जा रहा है, जो विद्यार्थियों को आधुनिक वाणिज्य शिक्षा के साथ-साथ व्यावसायिक दक्षता, शोध क्षमता एवं रोजगारपरक कौशल प्रदान करता है। उन्होंने बताया कि वर्तमान समय में कॉमर्स क्षेत्र में करियर की अपार संभावनाएं उपलब्ध हैं। इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थी बैंकिंग, वित्तीय संस्थानों, कॉर्पोरेट सेक्टर, अकाउंटिंग, टैक्सेशन, ऑडिट, बीमा, निवेश प्रबंधन, डिजिटल मार्केटिंग, ई-कॉमर्स तथा सरकारी एवं निजी क्षेत्र की विभिन्न सेवाओं में उत्कृष्ट करियर बना सकते हैं। इसके अतिरिक्त विद्यार्थी सीए, सीएस, सीएमए, नेट-जेआरएफ तथा शोध कार्य जैसे उच्च शिक्षा एवं प्रतिस्पर्धी क्षेत्रों की तैयारी भी कर सकते हैं। विवि के विभिन्न विद्यार्थी आज इन विभिन्न क्षेत्रों में अपना करियर संवार रहे हैं। विभाग में कुल 60 सीटें उपलब्ध हैं। मीरपुर गांव तथा सिंगल गर्ल चाइल्ड के लिए अतिरिक्त सीट भी उपलब्ध रहेगी। इसमें दाखिला लेने के लिए पात्रता 12वीं परीक्षा पास होना आवश्यक है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अंतर्गत संशोधित पाठ्यक्रम के आधार पर चलाए जा रहे 5 वर्षीय कोर्स में विद्यार्थियों को मल्टीपल एग्जिट ऑप्शन प्राप्त होते हैं। एक वर्ष पूरा करने के उपरांत कॉमर्स विषय में सर्टिफिकेट, 2 वर्ष पूर्ण होने के उपरांत डिप्लोमा, 3 वर्ष पूरा होने के बाद बीकॉम की डिग्री, 4 वर्ष पूरे होने पर बीकॉम ऑनर्स की डिग्री और 5 वर्ष पूर्ण करने पर एमकॉम की डिग्री प्राप्त होती है। इच्छुक अभ्यर्थी 10 जून रात्रि 11:59 बजे तक विवि की आधिकारिक वेबसाइट आईजीयूएसीइन पर आवेदन कर सकते है। एमकॉम 5 ईयर इंटीग्रेटेड कोर्स का वार्षिक शुल्क 15740 रुपये है।

पांच वर्षीय इंटीग्रेटेड एमकॉम में विद्यार्थियों के लिए उज्ज्वल करियर का सुनहरा अवसरः प्रो. रविन्द्र

प्रोफेसर रविन्द्र।

■ एमकॉम 5 ईयर इंटीग्रेटेड कोर्स का वार्षिक शुल्क 15740 रुपये

आठ विद्यार्थी एचपीएससी कॉमर्स कॉलेज कैडर की प्रारंभिक और मेंस परीक्षा पास कर चुके

प्रो. रविन्द्र ने कहा विवि उद्देश्य विद्यार्थियों को केवल डिग्री प्रदान करना नहीं, बल्कि उन्हें आत्मनिर्भर, कुशल एवं उद्योगों की आवश्यकताओं के अनुरूप तैयार करना है। विभाग में अनुभवी फैकल्टी, डिजिटल शिक्षण सुविधाएं, प्रोजेक्ट आधारित अध्ययन, औद्योगिक भ्रमण, इंटर्नशिप एवं प्लेसमेंट जैसी सुविधाएं विद्यार्थियों को व्यावहारिक अनुभव प्रदान करती हैं। उन्होंने कहा कि विवि का हराभरा एवं आधुनिक परिसर, छात्र-केंद्रित शिक्षण प्रणाली, किफायती शुल्क संरचना तथा सांस्कृतिक एवं शैक्षणिक गतिविधिया विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। पिछले वर्ष के उपलब्ध डाटा के अनुसार 24 विद्यार्थियों को विभिन्न संस्थानों में प्रतिष्ठित पदों पर नियुक्ति प्राप्त हुई है। विभाग के 8 विद्यार्थी एचपीएससी कॉमर्स कॉलेज कैडर की प्रारंभिक और मेंस परीक्षा पास कर चुके हैं, जो आने वाले समय में साक्षात्कार के संभावित उम्मीदवार होंगे।

चोरी के जेवर खरीदने वाला आरोपी सुनार राजस्थान से गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

पूछताछ में हुआ खुलासा सुनार गिरफ्तार

गिरफ्तार आरोपी राकेश ने पुलिस पूछताछ के दौरान कबूलाथा कि उसने चोरी की गई 4 जोड़ी चांदी की पायजेब राजस्थान के जिला झालावाड़ के खानपुर सुंदर नगर कॉलोनी निवासी सुनार विनोद कुमार को बेच दी थी। सीआईए धारूहेड़ा ने शुक्रवार को छापेमारी कर दूसरे आरोपी सुनार विनोद कुमार को भी गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी विनोद को अदालत में पेश कर तीन दिन के पुलिस रिमांड पर लिया है।

सीआईए धारूहेड़ा की टीम ने गत 24 अप्रैल को गांव खरखड़ा में हुई चोरी की वारदात में संलिप्त दूसरे आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। गिरफ्तार किए गए आरोपी पहचान राजस्थान के जिला झालाबाद के खानपुर सुंदर नगर कॉलोनी निवासी विनोद कुमार के रूप में हुई है, जिसने चोरी की 4 जोड़ी चांदी की पायजेब खरीदी थी। पुलिस ने आरोपी को अदालत में पेश कर तीन दिन के पुलिस रिमांड पर लिया है ताकि चोरी का बाकी सामान बरामद किया जा सकें। गांव खरखड़ा निवासी अनूप यादव ने अपनी शिकायत में बताया था कि वह पेशे से ट्रांसपोर्टर हैं। गत 24 अप्रैल को वह अपने घर को ताला लगाकर धारूहेड़ा ट्रांसपोर्ट यूनियन में गया था और उनके परिवार के सदस्य गुरुग्राम गए थे। दोपहर करीब 3 बजे जब वे घर लौटे, तो देखा कि घर के अंदर कमरे और हॉल के दरवाजे खुले हुए थे। कमरे में रखे संदूक का ताला टूटा हुआ था और सारा सामान बिखरा पड़ा था। संदूक में रखा एक बैग गायब था, जिसमें 2 लाख रुपये नकद, दो सोने की चेन, एक सोने का हार, 2 जोड़ी झुमके, 2 अंगूठी, 1 कुंडल, 1 मंगलसूत्र और 4 जोड़ी चांदी की पायजेब थी। चोर मकान के पीछे से दीवार कूदकर अंदर घुसे थे और वारदात को अंजाम देकर फरार हो गए।

चोरी की बाइक के साथ एक आरोपी काबू

रेवाड़ी। सीआईए कोसली की टीम ने चोरी की बाइक के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। उसके खिलाफ कोसली पुलिस थाने में केस दर्ज कराया गया है। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है। सीआईए को सूचना मिली थी कि टूमना निवासी सतेंद्र उर्फ मोनू आपराधिक किस्म का युवक है। वह गांव में चोरी की बाइक लेकर घूम रहा है। वारदात को अंजाम देने की नियत से वह कुछ देर बाद बाबडौली की ओर जाएगा। सूचना मिलने के बाद सीआईए की टीम ने टूमना के पास नाकेबंदी कर दी। वाहनों की चेकिंग शुरू की गई। इसी दौरान बाइक पर आए एक युवक को रुकवाकर पूछताछ की तो वह बाइक के कागज नहीं दिखा सका। बाइक पर फर्जी नंबर प्लेट लगाई हुई। पुलिस ने चेसिस और इंजन नंबर के आधार पर साइबर सेल से बाइक का पता करवाया तो यह बाइक महेंद्रगढ़ के अटेली थाना से चोरी की हुई मिली। अटेली थाने में बाइक चोरी का मामला दर्ज है। पूछताछ करने पर आरोपी ने अपना नाम टूमना निवासी सतेंद्र उर्फ मोनू बताया। सीआईए ने आरोपी को काबू करने के बाद उसके खिलाफ कोसली थाने में केस दर्ज करा दिया।

ट्रांसपोर्ट मैनेजर के खाते से 1.64 लाख रुपये उड़ाने के दो आरोपी गिरफ्तार

रेवाड़ी। साइबर थाना पुलिस ने एक ट्रांसपोर्ट कंपनी के मैनेजर के बैंक खाते से गत वर्ष मई माह में लगभग 1.64 लाख रुपये उड़ाने के मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। दोनों को कोर्ट में पेश करने के बाद न्यायिक हिरासत के तहत जेल भेज दिया गया।राजस्थान के बहरोड़ के सबलपुरा निवासी कृष्ण कुमार शर्मा ने साइबर थाना पुलिस को दर्ज शिकायत में बताया था कि वह निखरी की एक ट्रांसपोर्ट कंपनी में मैनेजर है। उसका एचडीएफसी बैंक में खाता है। 5 जुलाई 2025 को उसके मोबाइल पर एक फोन आया था। फोन करने वाले ने उसे बताया कि उसका प्री-एप्रूव्ड 15 लाख रुपये का लोन पास हो गया है। उसने फोन करने वाले को बताया कि उसने किसी तरह के लोन के लिए कोई एप्लाई नहीं किया है। फोन काटने के कुछ देर बाद उसके फोन पर मैसेज आए, जिनमें उसके बैंक खाते से 129444 और 35 हजार रुपये कटने की सूचना थी। उसने बैंक को फोन करते हुए तुंरत अपना खाता ब्लॉक कराया। इसके बाद साइबर थाना पुलिस को शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने उसकी शिकायत पर 10 जुलाई 2025 को केस दर्ज करने के बाद जांच शुरू की थी। जांच के बाद पुलिस ने इस मामले में यूपी के हाथरस जिले के गांव गोजिया निवासी अमित चौधरी और यूपी के आगरा जिले के टेड़ी बगिया एतमादपुर निवासी आकाश को गिरफ्तार कर लिया। आकाश के बैंक खाते में ठगी के 164444 रुपये ट्रांसफर हुए थे, जबकि अमित चौधरी ने ठगों को उसका बैंक खाता मुहैया कराने में मध्यस्थ की भूमिका निभाई थी।

धारूहेड़ा बस स्टैंड की भूमि पर अवैध कब्जे, चारदीवारी का काम अधूरा

धारूहेड़ा। धारूहेड़ा में नए बस स्टैंड का निर्माण कार्य चल रहा है। बस स्टैंड की भूमि पर लोगों ने अवैध कब्जे किए हुए है, जिससे चारदीवारी का कार्य अधूरा पड़ा हुआ है। रोडवेज विभाग की ओर से कब्जाधारियों को गत 10 अप्रैल को 15 दिनों में कब्जा हटाने का समय दिया था, लेकिन अभी तक लोगों ने कब्जे नहीं हटाए है। रोडवेज महाप्रबंधक निरंजन शर्मा ने कब्जे नहीं हटने पर 15 दिनों के बाद कार्रवाई करने के आदेश दिए थे तथा कब्जे हटाने की लागत का समस्त खर्चा कब्जा भी लोगों से वसूलने के निर्देश दिए थे, लेकिन एक महीने से ज्यादा समय बीतने पर भी आज तक कोई कार्रवाई नहीं की गई है। बस स्टैंड की पीछे की चार दीवारी बन चुकी है, जबकि अवैध कब्जों के कारण उत्तर दिशा की चारदीवारी अधूरी पड़ी हुई है।

रेवाड़ी। अवैध कब्जों के कारण अधूरी पड़ी चारदीवारी। फोटो : हरिभूमि

कैबिनेट मंत्री राव नरबीर को बनाया था अध्यक्ष, राव इंद्रजीत के गढ़ में अध्यक्षता नहीं आई रास

चंद घंटों में बदली ग्रीवेंस कमेटी की 'चौधर', अब रणबीर गंगवा सुनेंगे बैठकों में परिवाद

नरेन्द्र वत्स ▶▶| रेवाड़ी

विपुल गोयल | रणबीर गंगवा | राव नरबीर सिंह | राव इंद्रजीत सिंह

दक्षिणी हरियाणा में केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह का राजनीतिक विरोध करने वाले अधिकांश सीनियर नेताओं की राजनीति हासिए पर आ चुकी है। अकेले राव नरबीर सिंह ऐसे नेता बचे हैं, जो मौका मिलते ही राव पर टिप्पणी करने में संकोच नहीं करते। इस कैबिनेट मंत्री को प्रदेश सरकार की ओर से विपुल गोयल की जगह ग्रीवेंस कमेटी का अध्यक्ष बनाया, तो उसे राव के गढ़ में भाजपा की ओर से मजबूती दिए जाने की चर्चाओं का बाजार खूब गर्म हुआ। परिणाम यह हुआ कि चंद घंटों में ही कैबिनेट मंत्री राव नरबीर सिंह की जगह रणबीर गंगवा को रेवाड़ी ग्रीवेंस कमेटी की अध्यक्षता करने का पत्र जारी हो गया।

अहीरवाल के दोनों कद्दावर नेताओं राव इंद्रजीत सिंह और राव नरबीर सिंह के बीच राजनीतिक खींचतान दशकों से चली आ रही है। राव नरबीर सिंह मौका मिलते ही केंद्रीय मंत्री पर निशाना साधने में कोई कसर नहीं छोड़ते। रेवाड़ी इन दोनों दिग्गजों का पैतृक जिला है। राव नरबीर सिंह काफी समय से गुरुग्राम जिले में एक्टिव हैं, जबकि राव गुरुग्राम से लेकर नारनौल तक मजबूत पैठ बनाए हुए हैं। नरबीर ने पिछले कुछ समय से पैतृक जिले में भी सक्रियता बढ़ा दी है। रामगढ़ भगवानपुर में सरकारी अस्पताल निर्माण की मांग को लेकर चल रहे अनिश्चितकालीन धरने को समाप्त कराने के लिए 2 मई को राव नरबीर सिंह सीएम को साथ लेकर धरनास्थल पर पहुंच गए थे। यह धरना एक तरह से राव इंद्रजीत सिंह के खिलाफ चल रहा था, जिसे नरबीर ने सीएम के मार्फत एक झटके में खत्म करा दिया था। हाल ही में प्रदेश सरकार की ओर से ग्रीवेंस कमेटियों के अध्यक्षों को बदला गया था। रेवाड़ी में विपुल गोयल के स्थान पर राव नरबीर को अध्यक्ष बनाया गया था।

भाजपा में राव के कदम हो रहे मजबूत

मनोहरलाल के कार्यकाल में दक्षिणी हरियाणा में राव के राजनीतिक विरोधियों को आगे बढ़ाने में कोई कसर नहीं छोड़ी गई थी। राव विरोधियों को सम्मानजनक पद देकर उन्हें आगे बढ़ाने की दिशा में कार्य किया गया था। सीएम बदलने के बाद राव की स्थिति संगठन में पहले से ज्यादा मजबूत हो रही है। टिकट वितरण से लेकर दूसरे मामलों में भी उन्हें पहले की जगह उपेक्षित करने की बजाय, उनकी सहमति से ही बड़े फैसले लिए जा रहे हैं। राव भी पहली बार सीएम की प्रशंसा करने में कंजूसी नहीं दिखा रहे हैं।

चर्चा के बीच सरकार के कदम वापस

इसके साथ ही राजनीतिक गलियारों में चर्चा शुरू हो गई थी कि राव के गढ़ में नरबीर की ग्रीवेंस बैठकों में अध्यक्षता उन्हें इस इलाके में और अधिक ताकतवर बनाने की रणनीति है। इसी चर्चा के बाद सरकार ने कदम वापस खींच लिए। अब राव नरबीर सिंह की जगह रणबीर गंगवा बैठकों की अध्यक्षता करेंगे। नरबीर झज्जर और हांसी जिलों में ग्रीवेंस कमेटियों की बैठकों की अध्यक्षता करेंगे। सरकार के निर्णय को अब राव समर्थक उनकी बड़ी राजनीतिक जीत के रूप में देख रहे हैं।

खबर संक्षेप

मारपीट मामले के दो आरोपी किए काबू

रेवाड़ी। थाना खोल पुलिस ने मारपीट करने और धमकी देने के मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने अस्पताल में उपचाराधीन घायल के बयान गत गत 28 अप्रैल को विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज किया था। पीड़ति ने मारपीट करने और धमकी देने के आरोप लगाए थे। जांच के बाद पुलिस ने इस मामले में भठेड़ा निवासी नितेश और देहलावास गुलाबपुरा निवासी सोहिल को गिरफ्तार कर लिया। दोनों को कोर्ट में पेश करने के बाद जमानत पर रिहा कर दिया गया।

धोधाखड़ी मामले का आरोपी जांच में शामिल

रेवाड़ी। थाना कोसली पुलिस ने अप्रैल माह में दर्ज किए गए अमानत में खयानत के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने पीड़ति की शिकायत के आधार पर गत 10 अप्रैल को केस दर्ज करने के बाद जांच शुरू की थी। आर्थिक अपराध शाखा ने भी मामले में जांच की थी। इस मामले में एक आरोपी भिवानी के दादरी गेट निवासी महेश को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। उसे तफ्तीश में शामिल करने के बाद रिहा कर दिया गया।

पोक्सो एक्ट के तहत नाबालिग सहित दो धरे

जाटूसाना। थाना जाटूसाना पुलिस ने पोक्सो एक्ट के तहत एक आरोपी को गिरफ्तार किया है, जबकि दूसरा नाबालिग होने के कारण उसे अभिरक्षा में लिया गया है। पीड़ति पक्ष की शिकायत के आधार पर पुलिस ने गत 14 मई को आरोपियों के खिलाफ पोक्सो एक्ट के तहत केस दर्ज किया था। जांच के बाद पुलिस ने एक गांव निवासी संजय को गिरफ्तार करने के बाद जेल भेज दिया। नाबालिग आरोपी को अभिरक्षा में लेने के बाद जेजे बोर्ड के समक्ष पेश किया, जहां से उसे बोस्टल जेल फरीदाबाद भेज दिया गया।

सड़क हादसे में महिलाओं सहित तीन घायल

बावल। शनिवार देर सायं असाही फ्लाईओवर के पास बाइक की चपेट में आकर दो महिलाएं घायल हो गरूं। बाइक सवार भी हादसे में घायल हो गया। दो महिलाएं असाही पुल के पास से गुजर रही थीं। इसी दौरान एक बाइक ने दोनों को टक्कर मार दी। टक्कर लगने के बाद दोनों महिलाएं सड़क पर गिरकर घायल हो गरूं। संतुलन बिगड़ने से बाइक चालक भी गिरकर घायल हो गया। आसपास के लोगों ने तीनों घायलों को अस्पताल पहुंचाया। सूचना मिलने के बाद पुलिस ने घायलों के बयान पर कार्रवाई शुरू कर दी।

ठोठवाल गांव के खेतों में लगी आग

खोरी। ठोठवाल गांव में शनिवार की रात एक खेत में फसल अवशेषों में लगी आग से हड़कंप मच गया। लोगों ने खेत में आग लगी देखकर इसकी सूचना फायर ब्रिगेड को दी। सूचना मिलने के बाद फायर ब्रिगेड मौके पर पहुंच गई।

भारी गर्मी से जल्द राहत मिलने की उम्मीद नहीं

झुलसाने वाली गर्मी का सितम बरकरार 22 किमी की रफ्तार से चली हीटवेव

आज से और उग्र हो सकते हैं गर्मी के तेवर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

मई माह के दूसरे पखवाड़े में गर्मी ने प्रचंड रूप धारण करना शुरू कर दिया है। गर्मी के कारण दोपहर के समय बाजार से लेकर सड़कों तक पर कर्फ्यू जैसा नजारा दिखाई देता है। सुबह 10 बजे के बाद लोगों का घर से बाहर निकालना मुश्किल बन जाता है। पारा धीरे-धीरे चढ़ रहा है, जिसके आने वाले दिनों में और बढ़ने के आसार हैं। बारिश की जल्द संभावना नहीं होने से लोगों को कुछ दिन तक लू के भारी प्रकोप का सामना करना पड़ सकता है।

आसमान में बादल छाने का सिलसिला थमते ही पारा चढ़ना शुरू हो गया है। रविवार को अधिकतम तापमान 1.0 डिग्री की वृद्धि के साथ 42.5 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया। न्यूनतम तापमान 0.4 डिग्री की वृद्धि के साथ 24.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। आसमान साफ रहने के कारण सुबह 10 बजे के बाद सूर्यदेव के तेवर तल्ख होने शुरू हो गए। तेज धूप ने हवाओं को गर्म बना दिया। लगभग 22 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से चलने वाली हवाओं ने लू का रूप धारण कर लिया। आलम यह रहा कि दोपहर के समय बाजार और सड़कें सुनसान हो गए। लोगों का घरों से बाहर निकलना मुश्किल हो गया। हवा में नमी का स्तर कम होकर 22 प्रतिशत पर आ गया। शाम तक हीट वेव ने लोगों को जमकर परेशान किया। गत वर्ष की तुलना में तापमान कम चल रहा है, लेकिन भारी गर्मी का प्रकोप तेजी से बढ़ने लगा है। गत वर्ष 17 मई को अधिकतम तापमान 45.6 डिग्री और न्यूनतम 23.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। बीते साल की तुलना में रात का पारा अधिक होने के कारण गर्मी अब रातों की नींद भी हराम करने लगी है।

रेवाड़ी। गर्म हवाओं के बीच बचाव करती जाती युवतियां तथा रविवार दोपहर 2 बजे खाली पड़ा बावल रोड। फोटो : हरिभूमि

आज से बढ़ सकता है रात का पारा

मौसम विभाग के अनुसार अभी कुछ दिनों तक मौसम शुष्क बना रह सकता है। विक्षोभ की सक्रियता का असर जल्द देखने को नहीं मिलेगा। दिन के समय भारी गर्मी का सामना कर रहे लोगों को अब गर्म रातों का भी सामना जल्द करना पड़ेगा। अनुमान है कि रविवार की रात से ही न्यूनतम तापमान भी बढ़ना शुरू हो जाएगा, जिससे सुबह के समय भी लोगों को गर्मी का अहसास होगा। दिन का तापमान इस सप्ताह 45 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है।

बढ़ने लगी बिजली की खपत

भारी गर्मी के कारण अब घरों से लेकर दफ्तरों और प्रतिष्ठानों में एसी और कूलर दनादन चलने शुरू हो गए हैं। दो दिन से बिजली की मांग बढ़ने लगी है। दैनिक खपत 90 लाख यूनिट के पार पहुंच चुकी है, जो आने वाले दिनों में 100 लाख यूनिट का आंकड़ा पार सकती है।

अब हीट स्ट्रोक का बना रहेगा खतरा

लू का प्रकोप बढ़ने से हीट स्ट्रोक का खतरा बना रहेगा। हीटस्ट्रोक एक जानलेवा चिकित्सीय आपात स्थिति है, जिसमें शरीर का मुख्य तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से अधिक हो जाता है। इसके साथ ही भ्रम, अस्पष्ट वाणी या दौरे जैसे तंत्रिका संबंधी परिवर्तन भी होते हैं।

हीटवेव में सावधानी बरतना जरूरी

- लू चलने के दौरान घरों से बाहर निकलने से बचना चाहिए।
- घर से बाहर निकलते समय पर्याप्त कपड़े पहनने चाहिएं।
- घर से बाहर निकलते समय सिर को ढका रखना चाहिए।
- प्रतिदिन 3 से 4 लीटर पानी का इस्तेमाल करना चाहिए।
- ढीले-ढाले, हल्के रंग के सूती कपड़ों का इस्तेमाल करें।
- भारी गर्मी में शराब और कैफीन के यूज से बचना चाहिए।
- दिन के सबसे गर्म समय में खिड़कियां और पर्दे बंद रखें।
- घर को ठंडा रखने के लिए कूलर व एसी का उपयोग करें।

न्यूज डायरी

ज्ञानदीप इंटरनेशनल स्कूल ने रचा इतिहास, टॉपर छात्रा को भेंट की स्कूटी

बावल। बावल क्षेत्र के गांव दुल्हेड़ा खुर्द स्थित ज्ञानदीप इंटरनेशनल स्कूल का सीबीएसई कक्षा 10वीं एवं 12वीं का परिणाम शत-प्रतिशत रहा। विद्यालय के उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम से पूरे क्षेत्र में खुशी और गर्व का माहौल है। विद्यालय की छात्रा सानिया पुत्री यशपाल सिंह ने ब्लॉक स्तर पर टॉप कर विद्यालय और क्षेत्र का नाम रोशन किया। इस सफलता पर विद्यालय प्रबंधन की ओर से छात्रा को सम्मान स्कूटी भेंट की गई। इसके अलावा परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने पर छात्रा पायल पुत्री रुपेंद्र, नमन पुत्र सुनील कुमार, एकता पुत्री जितेंद्र तथा जिया पुत्री वीरसिंह को विद्यालय प्रबंधन की ओर से 5100-5100 नकर राशि का पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। विद्यार्थियों की इस उपलब्धि पर स्कूल की ओर से क्षेत्र में रैली भी निकाली गई। रैली में विद्यार्थियों, शिक्षकों, अभिभावकों एवं ग्रामीणों ने भाग लिया।

यादव सभा के कैंप में 165 लोगों ने करवाई स्वास्थ्य जांच

रेवाड़ी। यादव कल्याण सभा की ओर से रविवार को गढ़ी बोलनी रोड स्थित श्री कृष्ण भवन में निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। कैंप में 165 मरीजों को ओपीडी सेवाएं व फ्री दवाईयां प्रदान की गई। शिविर में अनुभवी डॉक्टरों की टीम ने मेडिसन, हड्डी रोग, सर्जरी, नेत्र रोग, ईएनटी व दंत रोग के रोगियों की जांच की। इनके अलावा कैंप में फिजियोथेरेपी की सेवाएं भी दी गई। कैंप के आयोजन में सभा के प्रधान रामबीर यादव, जसवंत सिंह, शशिभूषण, राम सिंह, गोकल राम, अमर सिंह, प्रो. सतीश यादव व आर एस यादव ने सहयोग दिया।

कुतुबपुर में पुरुषोत्तम मास पर भागवत कथा का शुभारंभ, महिलाओं ने निकाली कलश यात्रा

रेवाड़ी। शहर के मोहल्ला कुतुबपुर स्थित बुद्धोंमाता चौक पर पुरुषोत्तम मास के पावन अवसर पर सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन किया जा रहा है। रविवार को कथा के शुभारंभ से पूर्व भव्य कलश यात्रा निकाली गई, जिसमें सैकड़ों की संख्या में महिलाओं ने भाग लिया। डीजे व ढोल की धुन पर निकाली गई कलश यात्रा बुद्धों माता चौक से प्रारंभ होकर नाईवाली चौक, रेलवे अंडरपास व गुलाबी बाग होते हुए होते हुए कथा स्थल पर सम्पन्न हुई। इस दौरान मार्ग में भक्तों ने पुष्प वर्षा कर यात्रा का स्वागत किया। कथा व्यास वृंदावन धाम वाले परमानंद महाराज 23 मई तक रोजाना शाम 3 से 6 बजे तक श्रीमद् भागवत कथा का रसपान कराएंगे। कथा में पुरुषोत्तम मास की महिमा का विशेष वर्णन किया जाएगा। 24 मई को सुबह 9 बजे हवन एवं प्रसाद वितरण के साथ कथा का समापन होगा। पंडित सुमन भारद्वाज ने कहा भक्तजनों के सहयोग से यह ज्ञान यज्ञ किया जा रहा है। क्षेत्र के श्रद्धालुओं में कथा को लेकर खासा उत्साह है। इस अवसर पर दीपक शर्मा, शुभम शर्मा व गोपी शर्मा सहित अनेक श्रद्धालु मौजूद थे।

अग्निवीर क्लर्क-एसकेटी भर्ती के परिणाम घोषित

रेवाड़ी। अग्निवीर क्लर्क-एसकेटी भर्ती 2025-26 के परिणाम घोषित हो चुके हैं। सेना भर्ती कार्यालय चरखी दादरी के निदेशक कर्नल के संदीप ने बताया कि अग्निवीर योजना के अंतर्गत रैली जनवरी-फरवरी 2026 में भिवानी के भीम स्टेडियम में हुई थी, जिसमें चरखी दादरी, महेंद्रगढ़, रेवाड़ी और भिवानी जिलों के उम्मीदवार शामिल हुए थे, उनके परिणाम घोषित कर दिए गए हैं। उन्होंने बताया कि उम्मीदवार अपना परिणाम ज्वाइनइंडियनआर्मी.एनआईसी.इन पर देख सकते हैं। उन्होंने सभी सफल उम्मीदवार से 23 मई 2026 को सुबह 5:30 बजे सभी मूल दस्तावेजों के साथ सेना भर्ती कार्यालय चरखी दादरी में रिपोर्ट करने का अनुरोध किया है।

तीन दिन से लापता युवक का नहीं लगा सुराग

डहीना। निमोठ गांव से तीन दिन पहले किसी काम से निकले युवक का कोई सुराग नहीं लगा है। डहीना पुलिस चौकी ने केस दर्ज करने के बाद युवक का पता लगाने के प्रयास शुरू कर दिए। गांव निवासी करीब 45 वर्षीय राजेंद्र गत 15 मई को किसी काम से घर से निकला था। इसके बाद वह घर नहीं लौटा। परिजनों ने उसकी काफी तलाश की, लेकिन उसका कोई पता नहीं चला। उसके पिता बाबूलाल ने डहीना पुलिस चौकी को शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस ने केस दर्ज करने के बाद लापता युवक का पता लगाने के प्रयास शुरू कर दिए। पुलिस ने आसपास के थानों में सूचना प्रेषित की है, ताकि लापता का पता चल सके।

राष्ट्रीय शूटिंग चैंपियनशिप में शूटर सुषमा का गोल्ड मेडल पर कब्जा

रेवाड़ी। नेशनल राइफल एसोसिएशन के तत्वावधान में दिल्ली में आयोजित हुई 24वीं कुमार सुरेंद्र सिंह मेमोरियल राष्ट्रीय शूटिंग चैंपियनशिप में रेवाड़ी सेक्टर-4 स्थित राव शूटिंग स्पोर्ट्स अकेडमी के शूटरों ने अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाते हुए शानदार प्रदर्शन किया है। चैंपियनशिप में अकेडमी के खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय स्तर पर कई बड़े मुकाम हासिल कर जिले और प्रदेश का नाम रोशन किया। मुख्य कोच रमन राव ने बताया कि अकेडमी की शूटर सुषमा यादव ने 10 मीटर एयर पिस्टल सीनियर मास्टर वूमेन वर्ग में हरियाणा राज्य का प्रतिनिधित्व करते हुए शानदार खेल दिखाया और गोल्ड मेडल पर कब्जा कर प्रदेश को गौरवान्वित किया। उन्होंने बताया कि अकेडमी के लिए सबसे बड़ी सफलता यह रही कि 17 निशानेबाजों ने अपने बेहतरीन स्कोर के दम पर आगामी इंटरनेशनल सिलेक्शन ट्रायल के लिए क्वालीफाई कर लिया है। अब ये खिलाड़ी भारतीय टीम में जगह बनाने के लिए खेलेंगे।

आईजीयू को भारत एनवायरमेंट प्रोग्राम के अंतर्गत मिला प्रतिष्ठित प्लेटिनम अवॉर्ड

मीरपुर। इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय के पर्यावरण प्रकोष्ठ एवं पर्यावरण विज्ञान विभाग की सक्रिय सहभागिता प्रयासों से आईजीयू को भारत एनवायरमेंट प्रोग्राम-भारत सस्टेनेबिलिटी कैंपस मिशन 2026 के अंतर्गत प्रतिष्ठित प्लेटिनम अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। यह कार्यक्रम रिसर्च हाइट फाउंडेशन की ओर से ईपीटीआरआई के सहयोग से अर्थ वीक के अवसर पर आयोजित किया गया। यह सम्मान विश्वविद्यालय की ओर से पर्यावरण संरक्षण, सतत विकास तथा ग्रीन कैंपस गतिविधियों के क्षेत्र में किए गए उत्कृष्ट कार्यों एवं जागरूकता अभियानों के लिए प्रदान किया गया है। कार्यक्रम के अंतर्गत विश्वविद्यालय में विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया, जिनमें वेस्ट मैनेजमेंट जागरूकता गतिविधियां, सस्टेनेबिलिटी अवेयरनेस रैली, जीरो प्लास्टिक ड्राइव, सस्टेनेबिलिटी प्रतिज्ञा अभियान व ग्रीन कैंपस एक्शन गतिविधियां शामिल रहीं।

अनुज यादव बने असाही इंडिया के प्रधान प्रतिद्वंद्वी को 144 वोटों से दी शिकस्त

रेवाड़ी। दिल्ली-जयपुर राष्ट्रीय राजमार्ग स्थित असाही इंडिया कंपनी में दो वर्ष बाद होने वाले कंपनी यूनियन चुनाव में गांव टींट निवासी अनुज यादव ने 243 वोट हासिल कर प्रधान पद पर कब्जा कर लिया है। उन्होंने अपने प्रतिद्वंद्वी सुधीर को 144 वोटों के बड़े अंतर से हराया। सुधीर को 99 वोट प्राप्त हुए। अनुज यादव ने पिछली तीन बार को छोड़कर चौथी बार प्रधान पद पर कब्जा किया है। इस मौके पर अनुज यादव ने कहा यह जीत उनकी नहीं, कंपनी के प्रत्येक जुझारू साथी, मजदूर भाई और कर्मचारी की है। उन्होंने कहा कि मेहनत, ईमानदारी और सबके साथ से कोई भी मंजिल दूर नहीं है। जिला प्रमुख मनोज यादव, समाजसेवी अनिल रायपुर, अशोक नंबरदार, सत्यवीर नंबरदार, सूबेदार सत्यवीर यादव व सरपंच गजल सिंह यादव ने अनुज यादव को बधाई दी है।

रेवाड़ी। कोसली में बंदरों को पकड़ने के लिए लगाए गए पिंजरे।

कोसली स्टेशन क्षेत्र से बंदरों को पकड़ने का कार्य शुरू

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कोसली

कोसली स्टेशन क्षेत्र में बंदरों के उत्पात से परेशान लोगों को समस्या से निजात मिलने की संभावना हो गई है। प्रशासन की ओर से मामले का संज्ञान लिए जाने के बाद रविवार को पहुंची टीम ने पिंजरे लगाकर बंदरों को पकड़ने का काम शुरू कर दिया। भाकली-2 के सरपंच प्रतिनिधि विजय पूनिया व ग्राम सचिव मनोज कुमार ने बताया कि रविवार को नाहड़ रोड़ पर नई बस्ती से 20 बंदरों को पकड़ा गया है। सचिव ने बताया कि बंदर पकड़ने वाली टीम प्रति बंदर 1200 रुपए चार्ज करेगी। पकड़े गए बंदरों को एक स्थान पर पिंजरे में रखा जा रहा है। 100 बंदरों को पकड़ने के बाद प्रशासन से सत्यापित कराकर उन्हें जंगल में छोडा जाएगा।

नवनिर्वाचित चेयरपर्सन व पार्षदों का हुआ सम्मान, चहुंमुखी विकास का लिया संकल्प

रेवाड़ी। हमारा परिवार संस्था की ओर से रविवार को पंजाबी धर्मशाला में सामाजिक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में नगर परिषद की नवनिर्वाचित चेयरपर्सन व पार्षदों का स्वागत व सम्मान किया गया। इस मौके पर मुख्य अतिथि भाजपा जिलाध्यक्ष डा. वंदना पोपली, नव निर्वाचित नप चेयरपर्सन विनीता पीपल, नई दिशा युवा मंच के प्रधान एडवोकेट निशांत यादव व संस्था के संयोजक दिनेश कपूर के कहा कि जिला वासियों ने भारतीय जनता पार्टी में विश्वाश व्यक्त किया है। नव निर्वाचित चेयरपर्सन व पार्षदों की पूरी टीम नई ऊर्जा के साथ एकजुट होकर शहर के चहुंमुखी विकास के लिए प्रतिबद्ध है। कार्यक्रम में डा. देवेन्द्र कुमार, सुदर्शन मेहंदीरत्ता, पुलकित गोवर, कपिल कपूर, प्रीती, ओजस्वी व पूर्वांशी सहित अनेक लोग मौजूद थे।

संस्था ने रेजांगला पार्क में लगाया कैंप, 79 लोगों ने किया रक्तदान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

रविवार को शहर के गढ़ी बोलनी रोड़ स्थित रेजांगला पार्क में आशीष वीर चेरिटेबल सोसायटी की ओर से रक्तदान शिविर आयोजित किया गया, जिसमें 79 लोगों ने अपनी स्वेच्छा से रक्तदान किया। विधायक लक्ष्मण सिंह यादव ने शिविर का शुभारंभ किया। इस मौके पर विधायक ने कहा कि सभी को समाज के कल्याण के लिए निरंतर कुछ न कुछ अच्छा करते रहना चाहिए। उशिविर में कैप्टन वीर सिंह यादव, सेवानिवृत्त उप निदेशक अशोक यादव व पूर्व सैनिक ललित सिंह सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद थे। शिविर में भिवाड़ी के निजी अस्पताल एवं ब्लड सेंटर से डा. वीरेन, सीताराम यादव, लोकेश, प्रीति, रेशू और योगेश ने सहयोग दिया।

गवर्नमेंट कॉलेज में दाखिला प्रक्रिया शुरू

धारूहेड़ा। राजकीय महाविद्यालय खरखड़ा में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए स्नातक कक्षाओं में प्रवेश प्रक्रिया शुरू हो गई है। विद्यार्थी उच्चतर शिक्षा विभाग की वेबसाइट पर ऑनलाइन पंजीकरण कर आवेदन कर सकते हैं। कॉलेज प्रशासन के अनुसार ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया 7 मई से शुरू हो चुकी है, जबकि आवेदन करने की अंतिम तिथि 31 मई निर्धारित की गई है। महाविद्यालय में इस वर्ष बीए के लिए 320 सीटें, बीकॉम के लिए 160 सीटें तथा बीएससी. नॉन मेडिकल के लिए 80 सीटें उपलब्ध हैं।

डा. अनीता ने 49 की आयु में हासिल की सफलता, असिस्टेंट प्रोफेसर बनी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

जिले के गांव राजपुरा खालसा निवासी रिटायर्ड सुबेदार मेजर जगदीशचंद्र की पुत्रवधु डा. अनीता देवी ने मेहनत, लगन और अटूट आत्मविश्वास के दम पर साबित करके दिखाया है कि सपनों को पूरा करने की कोई उम्र नहीं होती। डा. अनीता ने 49 वर्ष की आयु में हरियाणा लोक सेवा आयोग की ओर से आयोजित सहायक प्राध्यापक परीक्षा उत्तीर्ण कर उपलब्धि हासिल की है। परीक्षा का परिणाम गत 12 फरवरी को घोषित हुआ था, जबकि उनका जॉइनिंग के लिए नोटिफिकेशन 8 मई को जारी हुआ, जिसके बाद डा. अनीता ने राजकीय महाविद्यालय नाहड़ में हिंदी विषय की सहायक प्राध्यापक के रूप में कार्यभार ग्रहण किया है। अनिता की सफलता उन महिलाओं के लिए प्रेरणा बन गई है, जो पारिवारिक जिम्मेदारियों के चलते अपने सपनों को पीछे छोड़ देती हैं।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
रेवाड़ी कार्यालय : दुकान नंबर 67, दुर्गा मार्केट, सेक्टर-1 वाला कच्चा रास्ता, नजदीक महाराणा प्रताप चौक, बावल रोड, रेवाड़ी सम्पर्क करें: 8053076211, 8295738500, 8291554800

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 1500/- रु. 2000/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज़ पर मान्य। अन्य किसी साईज़ के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
रेवाड़ी : दुकान नंबर 67, दुर्गा मार्केट, नजदीक महाराणा प्रताप चौक, बावल रोड, रेवाड़ी फोन : 9653537253, 9671434260

हार-जीत की भावना छोड़कर सभी एकजुट होकर शहर के विकास में योगदान दें: लक्ष्मण

रेवाड़ी। रेस्ट हाउस में कार्यकर्ताओं की बैठक लेते विधायक। फोटो : हरिभूमि

- शहर के विकास में किसी प्रकार की कोई कमी नहीं रहने दी जाएगी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

नगर परिषद रेवाड़ी चेयरपर्सन व नगर पालिका धारूहेड़ा चेयरमैन चुनाव में भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशियों को मिली जीत को लेकर कार्यकर्ताओं व जनता का आभार जताने के लिए विधायक लक्ष्मण सिंह यादव के नेतृत्व में पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस में बैठक का आयोजन किया गया। इस दौरान विधायक ने सभी से चुनावी मोड़ से बाहर आकर भाईचारा कायम रखते हुए क्षेत्र के विकास में सहयोग देने का आह्वान किया। विधायक ने कहा कि जब भी कोई बड़ा कार्य किया जाता है, उसकी सभी मिलकर समीक्षा करते हैं। उसी प्रकार चुनावी रण में फतह हासिल करने के बाद कार्यकर्ताओं का फीडबैक लिया गया है।

विधायक लक्ष्मण सिंह ने कहा कि रेवाड़ी चेयरपर्सन चुनाव में 32 वार्डों में से 28 वार्डों में 60 से 70 फीसदी तक वोट हासिल हुए हैं, जबकि केवल 4 बूथों पर पार्टी को हार मिली। इसी प्रकार धारूहेड़ा में भाजपा को शानदार सफलता हासिल हुई है। पार्टी कार्यकर्ताओं ने भाजपा प्रत्याशियों को जिताने के लिए दिन-रात मेहनत की, जिसके लिए उनकी जितनी सराहना की जाए, कम है। उन्होंने कहा कि वार्ड के चुनाव में पहले की अपेक्षा हमें अधिक सफलता मिली है, लेकिन इसे और आगे बढ़ाना है। उन्होंने कहा कि चुनाव में हार या जीत की भावना को छोड़कर सभी को एकजुट होकर शहर के विकास में अपना योगदान प्रदान करना है। विधायक ने शांतिपूर्ण चुनाव के लिए सभी को बधाई देते हुए उनके सुझाव भी लिए। उन्होंने कहा कि अब चुनाव समाप्त हो चुके हैं। इस दौरान किसी भी प्रकार का कोई मनमुटाव हुआ हो तो उसे भुलाकर आगे बढ़ना है। शहर के विकास में किसी भी प्रकार की कोई कमी नहीं रहने दी जाएगी। इस मौके पर अनेक पार्टी पदाधिकारी, कार्यकर्ता व समर्थक मौजूद थे।

गुरु शिष्य परंपरा प्रशिक्षण योजना के आवेदन आमंत्रित

रेवाड़ी। भारत की समृद्घ सांस्कृतिक विरासत एवं लुप्त लोक कलाओं के संरक्षण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से उत्तर-मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र प्रयागराज की ओर से महानिदेशक कला एवं सांस्कृतिक कार्य विभाग हरियाणा के माध्यम से गुरु शिष्य परंपरा प्रशिक्षण योजना के तहत लुप्त होती विभिन्न विद्याओं के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। डीसी अभिषेक मीणा ने बताया कि उत्तर-मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र प्रयागराज की ओर से राज्य से लुप्त होती विधाओं के गुरु, संगतकार व शिष्यों को प्रतिमाह की दर से छात्रवृत्ति भी प्रदान जाएगी। विधाओं में लोक गायन, लोकगाथा, लोक चित्रकला, दुर्लभ वाद्य यंत्र, लोक नृत्य आदि विधा शामिल है। उन्होंने बताया कि गुरु, संगतकार व शिष्यों को 7500 रुपए, 3750 रुपए व 1500 रुपए प्रतिमाह की दर से छात्रवृत्ति भी प्रदान जाएगी। डीसी ने बताया कि इन विद्याओं में पारंगत प्रशिक्षक अपना आवेदन नाम, पता एवं दूरभाष नंबर सहित अन्य विवरण महानिदेशक कलां एवं सांस्कृतिक कार्य विभाग, हरियाणा, एससीओ नंबर-29, सेक्टर 7-सी, मध्य मार्ग, चंडीगढ़ के पते पर भेज सकते हैं।